हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 28 दिसंबर 2024 | अंक 76/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

● डॉ. श्री बालाजी तांबे (संतूलन आयुर्वेदिक)
● श्री स्वागत तोडकर ● तन्वी हर्बल क्लिनिक
इनकी दवाईयाँ उपलब्ध तथा Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

----- विशेष उपचार -----
वात, जोडों का दर्द, सुजन, लखवा, नसो में अकडन, हड्डीयों मे (Fluid Liquid) कम हो जाना, डायबिटीज से परेशान, B.P. (Heart) , पेट कि समस्या, पाईल्स, बालों की समस्या, समस्त स्त्री रोग, आदि सभी जटील रोगों पर विशेष उपचार।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन : 9112079000 / 8605245080
सभी प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कम्पनियो की दवाईयाँ तथा सभी प्रकारकी काष्ट औषधिया, दिव्य वनौषधी, जडीबुटीयाँ तथा उनके पावडर मिलने का विश्वषनिय स्थान।

कल जापानी पार्क में बड़ी रैली करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली.

दिल्ली में चुनावी दंगल के लिए मैदान सज चुका है. जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार चुकी है तो वहीं भाजपा भी इस बार अरविंद केजरीवाल का विजय रथ रोकने के लिए जुट गई है. इसी कड़ी में पीएम मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली में बड़ी रैली करने वाले हैं. इस रैली के जरिए पीएम मोदी दिल्ली में चुनावी अभियान का बिगुल फूकेंगे और परिवर्तन रैली के जरिए दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद करेंगे. पीएम मोदी की ये रैली जापानी पार्क में होने वाली है.

जापानी पार्क में आयोजित होने वाली इस विशाल रैली के लिए पार्टी ने जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं. रैली में दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों से लोगों को लाने की योजना बनाई गई है. भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यह रैली न केवल दिल्ली की जनता को पार्टी की योजनाओं से अवगत कराएगी, बल्कि कार्यकर्ताओं में भी नया जोश भरने का काम करेगी.

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीजवारों की दो लिस्ट जारी कर चुकी है. जहां पहली लिस्ट में 21 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था तो वहीं दूसरी लिस्ट में 26 नामों पर मुहर लगी है. कांग्रेस ने नरेला से अरुणा कुमारी, बुराड़ी से मंगेश त्यागी, आदर्श नगर से शिवांक सिंघल, बादली से देवेंद्र यादव, सुल्तानपुर माजरा से जय किशन, नागलोई जाट से रोहित चौधरी, सलीमगढ़ से प्रवीन जैन को टिकट दिया है. वहीं, वजीरपुर से रागिनी नायक, सदर बाजार से अनिल भारद्वाज, चांदनी चौक से मुदित अग्रवाल, बल्लीमारान से हारून यूसुफ को टिकट दिया है.

विधानसभा चुनाव की तारीख का नहीं हुआ अब तक ऐलान

बता दें कि, केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी हैं. सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है. विपक्षी कांग्रेस ने भी अब तक 47 सीटों पर पत्ते खोल दिए हैं. टिकट बंटवारे में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस से बहुत पीछे चल रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भी अब चुनावी मोड में आती दिख रही है. सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के खिलाफ आरोप पत्र जारी करने के बाद अब बीजेपी की रणनीति चुनाव कार्यक्रम के ऐलान से पहले उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल करने पर है. बीजेपी ने अभी तक उम्मीदवारों की एक भी लिस्ट नहीं जारी की है.

मनमोहन सिंह के दाह संस्कार-स्मारक के लिए जगह की मांग

> कांग्रेस वर्किंग कमिटी की मीटिंग में उठा मुद्दा

नई दिल्ली.

दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई. यह बैठक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बुलाई गई थी.

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने चर्चा की कि दिवंगत पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के लिए उनके कद के अनुसार अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए उचित स्थान दिया जाना चाहिए. इसे लेकर परिवार सरकार से बातचीत कर रहा है. कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भी केंद्र सरकार को पत्र लिखकर यह मांग की है. खड़गे ने पीएम को पत्र लिखा और पीएम और गृहमंत्री से बात भी की और अंतिम संस्कार और दाह संस्कार के लिए उचित जगह देने की अपील की. अपने पत्र में खड़गे ने लिखा कि अंतिम संस्कार वहीं किया जाना चाहिए जहां उनका स्मारक बनाया जा सके.

कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडे ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मनमोहन सिंह का परिवार अंतिम संस्कार और स्मारक की जगह के लिए सरकार से बातचीत कर रहे हैं. देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात 92 साल की उम्र में निधन हो गया था.

दिल्ली में शक्ति स्थल के पास होगा अंतिम संस्कार

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज सुबह 10-11 बजे दिल्ली में शक्ति स्थल के पास होगा. उनकी बेटी आज देर रात अमेरिका से दिल्ली पहुंचेंगी. डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके आवास पर रखा गया है.

महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक

प्रयागराज. प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा। इसमें 5 शाही स्नान होंगे, जिनमें मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा, और महाशिवरात्रि शामिल हैं। माना जाता है कि त्रिवेणी संगम पर स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति और पापों से मुक्ति मिलती है।

इस महाकुंभ के दौरान कुल छह शाही स्नान होंगे. महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है. 30-45 दिन तक चलने वाला महाकुंभ हिंदुओं के लिए काफी मायने रखता है. माना जा रहा है कि इस महाकुंभ में देश-विदेश के 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होंगे. कुछ साल पहले हरिद्वार में कुंभ मेला लगा था. उससे पहले भी अर्द्ध कुंभ हुआ था.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरा वनडे 5 विकेट से जीता

नई दिल्ली. भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया. इसी के साथ टीम ने सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया. भारतीय टीम ने पहला मैच 211 और दूसरा 115 रन से जीता था. 3 वनडे में 10 विकेट लेने वालीं रेणुका सिंह ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं.

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन पर ही सिमट गई. जवाब में भारत ने 28.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया. दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया. उन्होंने नाबाद 39 रन बनाए और 6 विकेट लिए.उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन बनाए। मैच के पहले ओवर में ही रेणुका सिंह ने दोनों ओपनर्स को आउट कर दिया.

दूसरे किसी भी विभाग का फंड 'लाड़की बहिन योजना' के लिए नहीं दिया गया: तटकरे

नई दिल्ली.

महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिती तटकरे ने कहा कि मंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहली बार उन्हें दर्शन का मौका मिला है। उन्होंने बाप्पा से राज्य की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मंत्री ने कहा कि नई जिम्मेदारी के साथ यहां आकर एक अलग ही आनंद और संतोष का अनुभव हो रहा है।

तटकरे ने कहा कि नागपुर बजट में पहले से ही इस योजना के लिए फंड का प्रावधान किया गया था। 24 तारीख से लाडकी बहिन योजना के तहत लाभार्थियों को हफ्ते दिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी अन्य विभाग का फंड इस योजना के लिए डायवर्ट नहीं किया गया है। हर विभाग के लिए अलग मंत्री अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं और संबंधित फंड का उपयोग कर रहे हैं। महिला अत्याचार की घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए तटकरे ने कहा कि केंद्र सरकार के नए कानूनों के तहत अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री भी इन मामलों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों के वेतन को लेकर जो अफवाहें फैलाई जा रही हैं, वे गलत हैं और शिक्षकों को समय पर वेतन दिया जाएगा।

दिल्ली में पीएम मोदी करेंगे बीजेपी के चुनावी अभियान का आगाज

नई दिल्ली. जापानी पार्क में रैली जापानी पार्क में आयोजित होने वाली इस विशाल रैली के लिए पार्टी ने जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं. रैली में दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों से लोगों को लाने की योजना बनाई गई है. भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यह रैली न केवल दिल्ली की जनता को पार्टी की योजनाओं से अवगत कराएगी, बल्कि कार्यकर्ताओं में भी नया जोश भरने का काम करेगी.दिल्ली में चुनावी दंगल के लिए मैदान सज चुका है. जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार चुकी है तो वहीं भाजपा भी इस बार अरविंद केजरीवाल का विजय रथ रोकने के लिए जुट गई है. इसी कड़ी में पीएम मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली में बड़ी रैली करने वाले हैं.

तीसरी तिमाही में बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

नई चुनौतियों से खतरा

नई दिल्ली.

नई चुनौतियों के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बेहतर रहने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी मासिक रिपोर्ट में कहा, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। इसका पता अक्टूबर व नवंबर के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों (जीएसटी संग्रह, पीएमआई आदि) से चलता है। इसके अलावा, ग्रामीण मांग मजबूत है। अक्टूबर-नवंबर, 2024 में दोपहिया-तिपहिया वाहनों की बिक्री 23.2 फीसदी बढ़ी है। ट्रैक्टर और यात्री वाहनों की बिक्री में क्रमशः 9.8 फीसदी व 13.4 फीसदी तेजी रही है। रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, जलाशय में जल स्तर का अधिक होना और पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता रबी बुवाई के लिए अच्छा संकेत है।

नीतिगत दरों पर गहराई से सोचने की जरूरत है

रिपोर्ट में कहा गया है कि शेयर बाजार का ऊंचा स्तर बड़ा जोखिम पैदा कर रहा है। डॉलर की मजबूती और अमेरिका में नीतिगत दर पर पुनर्विचार से उभरते बाजार की मुद्राओं को दबाव में ला दिया है। इससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति-निर्माताओं को नीतिगत दरों के बारे में और अधिक गहराई से सोचने की जरूरत है। इसमें आगे कहा गया है कि कृषि क्षेत्र का दृष्टिकोण आशावादी है। इससे उम्मीद बंधी है कि खाद्य कीमतों का दबाव धीरे-धीरे कम होगा।

मौद्रिक नीति को लेकर सरकार से भिड़े थे मनमोहन

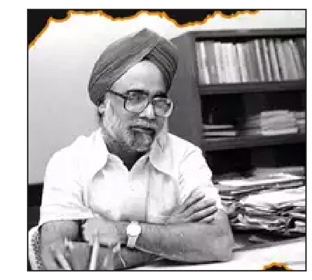

नई दिल्ली.

मनमोहन सिंह के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री रहने के दौर के कई किस्से प्रचलित हैं। फिर चाहे उनके संसद में शायरी पढ़ने से जुड़े वाकये हों या 1991 के आर्थिक संकट से देश को निकालने का पूरा घटनाक्रम। इन पर पूरे देश में कई बार चर्चाएं हुई हैं। हालांकि, मनमोहन सिंह के जीवन के जिस एक दौर की चर्चा सबसे कम हुई है, वह है उनका भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर के दौर के समय की। इंदिरा गांधी उन दूरदर्शी नेताओं में से रही हैं, जिन्होंने कई ऐसे उत्कृष्ट बुद्धजीवियों को राजनीति में शामिल किया, जिन्होंने आगे चलकर देश की नीतियों पर गहरा असर छोड़ा। फिर चाहे वह प्रणब मुखर्जी हों या मनमोहन सिंह।

प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी की नजर में मनमोहन सिंह 1980 के दशक में आए। उन्होंने तब मनमोहन सिंह, जो कि योजना आयोग के सदस्य-सचिव थे, को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का गवर्नर नियुक्त किया। यह वो दौर था, जब आईजी पटेल के नेतृत्व में आरबीआई ने देश की आर्थिक स्थिति को बेहतर दौर में पहुंचा दिया था। मनमोहन ने 16 सितंबर 1982 को आरबीआई के गवर्नर के तौर पर पदभार संभाला और उनका कार्यकाल 14 जनवरी 1985 को तब समाप्त हुआ, जब उन्होंने देश की मौद्रिक नीति और बैंकिंग क्षेत्र में सुधार की नींव मजबूत कर दी थी।

छात्र बिना इनकम ले सकते हैं पर्सनल लोन?

नई दिल्ली.

कभी-कभी छात्रों को पढ़ाई के दौरान अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है. कई बार छात्रों को अचानक पैसे की जरूरत पड़ती है. ऐसे में पर्सनल लोन एक अच्छा विकल्प हो सकता है. आमतौर पर लोन के लिए कमाई जरूरी होती है.

लेकिन कुछ और तरीकों से भी लोन लिया जा सकता है. आइए जानते हैं कैसे? पर्सनल लोन ऐसा लोन है, जिसमें आपको कोई चीज गिरवी नहीं रखनी होती है. इसे आप मेडिकल खर्च, किराया या अन्य जरूरतों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. बिना कमाई के भी गारंटर या पार्ट-टाइम काम की मदद से लोन लेना मुमकिन है. हालांकि, लोन लेने से पहले सभी शर्तें और फायदे-नुकसान समझना जरूरी है. सही तरीके से प्लानिंग करने पर यह आपके खर्चों को संभालने में मदद करता है.

अगर आपके पास कमाई नहीं है, तो भी आप लोन ले सकते हैं. इसके लिए आपको गारंटर की जरूरत होगी, जैसे आपके माता-पिता या भाई-बहन जो काम करते हों. गारंटर वह व्यक्ति होता है, जो लोन के लिए जिम्मेदार होता है और अगर लोन चुकाने में कोई दिक्कत हो, तो वह भुगतान करेगा. इसके अलावा, अगर आप पार्ट-टाइम जॉब, फ्रीलांसिंग या किसी और काम से पैसे कमा रहे हैं, तो लोन मिलना थोड़ा आसान हो सकता है.

आईपीओ ने लिस्टिंग पर मचाया धमाल

नई दिल्ली.

ममता मशीनरी के आईपीओ की स्टॉक एक्सचेंज पर धमाकेदार लिस्टिंग हुई है. 243 रुपये के इश्यू प्राइस वाला स्टॉक 147 फीसदी के उछाल के साथ 600 रुपये पर लिस्ट हुआ है. लेकिन स्टॉक में तेजी यहीं नहीं थमी और लिस्टिंग के बाद शेयर में 5 फीसदी की और तेजी आ गई. 5 फीसदी के उछाल के साथ स्टॉक 630 रुपये पर जा पहुंचा जिसके बाद स्टॉक में अपर सर्किट लग गया. यानी जिन निवेशकों को ममता मशीनरी के शेयर्स अलॉट हुए हैं उन्हें इस आईपीओ ने 160 फीसदी का रिटर्न दिया है. ममता मशीनरी ने आईपीओ के जरिए कैपिटल मार्केट से 179.39 करोड़ रुपये जुटाये थे. और आईपीओ में पूरा

पैसा 0.74 करोड़ शेयर्स के ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाया गया था. कंपनी का आईपीओ 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक निवेशकों के आवेदन के लिए खुला हुआ था. 27 दिसंबर को शेयर्स सफल निवेशकों को अलॉट किए गए. ममता मशीनरी ने 230 से 243 रुपये आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स किया था. जिसमें कंपनी के एम्प्लॉयज को 12 रुपये प्रति शेयर का डिस्काउंट दिया गया. ममता मशीनरी के आईपीओ को निवेशकों को जोरदार रेस्पॉंस मिला. आईपीओ कुल 195 गुना सब्सक्राइब होकर क्लोज हुआ था. जिसमें संस्थागत निवेशकों का कैटगरी 235.88 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों का कैटगरी 274 गुना, और रिटेल निवेशकों का कैटगरी 138 गुना सब्सक्राइब हुआ था. ममता मशीनरी लिमिटेड की स्थापना 1979 में हुई थी. कंपनी प्लास्टिक बैग्स, पाउच, पैकेजिंग, और एक्सट्रूजन इक्विपमेंट की मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग करने के साथ एक्सपोर्ट करती है. एफएमसीजी, फूड और ब्रेवरेज कंपनियां ममता मशीनरी की क्लाइंट्स है. 31 मई 2024 तक कंपनी ने 75 देशों को अपनी मशीनें निर्यात की है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का रेवेन्यू 210 करोड़ रुपये रहा था और नेट प्रॉफिट 22.51 करोड़ रुपये रहा था. जबकि 2023-24 में रेवेन्यू 241.31 करोड़ रुपये रहा है और 36.13 करोड़ रुपये का कंपनी को मुनाफा हुआ था.

रुपये में डॉलर के मुकाबले बड़ी गिरावट

नई दिल्ली.

अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी के निरंतर बाहर जाने के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 46 पैसे टूटकर नए ऑल टाइम लो 85.73 रुपये पर पहुंच गया। यह रुपये में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावअ है। विश्लेषकों के अनुसार, महीने के अंत और साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के बीच डॉलर की मजबूती के कारण स्थानीय इकाई पर दबाव पड़ा।

हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू इक्विटी बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय इकाई में गिरावट को सीमित कर दिया।इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत बढ़कर 107.93 पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी पर प्राप्ति बढ़ रही थी तथा 10 वर्षीय बांड 4.50 प्रतिशत के आसपास था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.07 प्रतिशत बढ़कर 73.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 207.16 अंक यानी 0.26 प्रतिशत बढ़कर 78,679.64 अंक पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 88.50 अंक यानी 0.37 प्रतिशत बढ़कर 23,838.70 अंक पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) गुरुवार को पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता रहे और उन्होंने 2,376.67 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आइस मेक रेफ्रिजरेशन ने कूलर्स का अनावरण किया

नागपुर.

भारत के रेफ्रिजेरेशन उद्योग में एक प्रमुख नाम, आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड, ने अपनी नवीनतम उत्पाद –"कमर्शियल फ्रीजर्स"श्रेणियों का अनावरण किया है:, जिसमें चेस्ट फ्रीजर्स, कूलर्स और विसी कूलर्स शामिल हैं, और यह कंपनी की रणनीति का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो नवाचार को बढ़ावा देने, बाजार में पहुंच को बढ़ाने और विभिन्न उद्योगों के लिए ऊर्जा-कुशल समाधान प्रदान करने का प्रयास कर रही है। चेस्ट फ्रीजर्स और कूलर्स का उत्पादन 1 जनवरी 2025 से कंपनी की पूरी तरह से स्वचालित निर्माण सुविधा में गुजरात में शुरू होने जा रहा है, जिसकी दैनिक क्षमता 200 यूनिट्स है, जो वार्षिक रूप से 72,000 यूनिट्स तक पहुंच जाएगी। ये उत्पाद 100 लीटर से लेकर 900 लीटर तक की क्षमता में उपलब्ध होंगे, जिनमें हार्डटॉप फ्रीजर्स, ग्लास टॉप फ्रीजर्स, और कॉम्बी कूलर और फ्रीजर्स जैसी उन्नत विशेषताएँ शामिल हैं, जो विभिन्न ग्राहक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, चंद्रकांत पटेल ने आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि "हमारी नई उत्पाद श्रेणियों का लॉन्च आइस मेक की नवाचार और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। निर्माण में रणनीतिक निवेश और ग्राहक की जरूरतों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, हम रेफ्रिजेरेशन क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने और 1,000 करोड़ का राजस्व लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करेंगे। आइस मेक ने अपनी पूंजी व्यय योजनाओं को 250 करोड़ तक संशोधित किया है, जिसमें से ₹00 करोड़ पहले ही निर्माण क्षमताओं के विस्तार में निवेश किए जा चुके हैं। शेष ₹50 करोड़ अगले 1-2 वर्षों में राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवंटित किए जाएंगे। कंपनी की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता अब 1.25 लाख यूनिट्स है, जिसमें 72,000 चेस्ट फ्रीजर्स और 8,000 विसी कूलर्स शामिल हैं। नवीनतम विसी कूलर्स की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 25 यूनिट्स प्रति दिन होगी, जो वार्षिक रूप से लगभग 8,000 यूनिट्स तक पहुंचेगी। जबकि उत्पादन प्रारंभ में मैन्युअल होगा, कंपनी भविष्य में पूर्ण स्वचालन की दिशा में संक्रमण करने की योजना बना रही है, जिससे दक्षता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। विसी कूलर्स की रेंज 300 लीटर से लेकर 1,000 लीटर तक होगी, जो खाद्य, पेय, और रिटेल क्षेत्रों को लक्षित करेगी।

अल्ट्रा ने इस सीमेंट में खरीदा हिस्सा

नई दिल्ली.

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने एक बड़ी डील की है। कंपनी ने स्टार सीमेंट लिमिटेड में 8.69 प्रतिशत हिस्सेदारी को खरीदा है। यह हिस्सा प्रमोटर ग्रुप से खरीदा गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने 851 करोड़ रुपये खरीदा है। कंपनी ने एक शेयर के लिए 235 रुपये खर्च किए हैं। शुक्रवार को अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के शेयर 11594.85 रुपये के लेवल पर खुले थे।

वहीं स्टार सीमेंट के शेयरों में आज करीब 8 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का इंट्रा-डे हाई बीएसई में 247.75 रुपये प्रति शेयर है। 27 दिसंबर को अल्ट्राटेक सीमेंट ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि यह नॉन-कंट्रोलिंग हिस्सा है। स्टार सीमेंट ने नॉर्थ ईस्ट में अपना कारोबार करती है। कंपनी का मेघालय में बड़ा कारोबार है। वित्त वर्ष 2024 में स्टार सीमेंट का टर्नओवर 2910 करोड़ रुपये रहा था। दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 36 प्रतिशत गिरा है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 820 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1281 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई से सितंबर 2024 के दौरान कंपनी का रेवन्यू 956 करोड़ रुपये रहा था।

सुकन्या योजना के निवेशकों को मिलेगी सौगात

नई दिल्ली.

नए साल 2025 में क्या छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों को सौगात मिलेगी? क्या वित्त मंत्रालय सुकन्या समृद्धि योजना और पब्लिक प्रॉविडेंट फंड जैसी छोटी बचत योजना के ब्याज दरों में बढ़ोतरी करेगा? वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही जनवरी से मार्च के लिए वित्त मंत्रालय 31 दिसंबर 2024 को नए ब्याज दरों का एलान करेगा. वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों का विभाग 31 दिसंबर 2024 को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही जनवरी से मार्च के लिए पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना समेत पोस्ट ऑफिस डिपॉजिट स्कीमों के नए ब्याज दरों का एलान करेगा.

मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर से दिसंबर के लिए भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था. अभ निवेशकों की नजर इस बात पर है कि 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 की चौथी तिमाही में भी छोटी बचत योजनाओं के ब्याज दरों में सरकार कोई बदलाव करती है या नहीं. तीसरी तिमाही में सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 फीसदी ब्याज गया है.

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम पर फिलहाल 8.2 फीसदी, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट पर 7.7 फीसदी और किसान विकास पत्र पर 7.5 फीसदी ब्याज मिल रहा है. पोस्ट ऑफिस सेविंग डिपॉजिट पर 4 फीसदी, 1 साल की अवधि वाले डिपॉजिट पर 6.9 फीसदी, 2 साल के टाइम डिपॉजिट पर 7 फीसदी, 3 साल की अवधि वाले डिपॉजिट पर 7.1 फीसदी ब्याज मिल रहा है. 5 साल के डिपॉजिट पर 7.5 फीसदी ब्याज और 5 साल के रेकरिंग डिपॉजिट पर 6.7 फीसदी ब्याज मिल रहा है.

इंस्ट्रूमेंट्स के लिए यूपीआई एक्सेस को मंजूरी

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स के लिए यूपीआई एक्सेस की अनुमति दे दी है. इससे पीपीआई होल्डर थर्ड पार्टी सीपीआई के मोबाइल एप्स के जरिए यूपीआई पेमेंट हासिल कर सकेंगे और भेज सकेंगे. फिलहाल किसी बैंक खाते के जरिए या उसमें यूपीआई पेमेंट उस बैंक या किसी थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर के एप्लिकेशन का यूज करके किया जा सकता है. हालांकि पीपीआई से/में पेमेंट सिर्फ इश्यूअर की तरफ से दिए गए मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करके ही किया जा सकता है. रिजर्व बैंक ने इसको लेकर एक प्रेस रिलीज जारी कर दी है. इसमें बताया गया है कि 5 अप्रैल 2024 की आरबीआई की नियामक पॉलिसी के तहत इस फैसले को लिया गया था. इसमें कहा गया था कि थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स के लिए यूपीआई एक्सेस की अनुमति दी जाएगी. प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट एक फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट है.

ग्लेन वॉक ने 200 मिली की निप लॉन्च की

मुंबई. हाल ही में बेहद सम्मानित 2024 आईडब्ल्यूएस अवार्ड्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद, कार्टेल ब्रदर्स की प्रीमियम स्कॉच व्हिस्की, द ग्लेनवॉक अब महाराष्ट्र में धूम मचा रही है। यह 200 मिली के बेहद स्टाइलिश निप बोतल में उपलब्ध है, जिसके साथ ग्लेनवॉक तहलका मचाने और आपके व्हिस्की अनुभव को पहले से कहीं बेहतर बनाने के लिए तैयार है!

ग्राहकों को बेहद सुविधाजनक और किफायती तरीके से 'द ग्लेनवॉक' की बेमिसाल गुणवत्ता और स्वाद का अनुभव कराने वाली 200 मिली निप बोतल, 500 रुपये की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है। वर्तमान में 'द ग्लेनवॉक' की कुल बिक्री में महाराष्ट्र का योगदान 68 फीसदी है, और यह ब्रांड के लिए बेहद महत्वपूर्ण बाजार है। 'द ग्लेनवॉक' ने 200 मिली निप बोतल को बाजार में उतारकर इस क्षेत्र में अपनी बिक्री को चौगुना करने का लक्ष्य रखा है। सुनियोजित तरीके से उठाए गए इस कदम से कंपनी के शानदार विकास को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही बड़े पैमाने पर ग्राहक भी ब्रांड की ओर आकर्षित होंगे जिससे बाजार में इसकी स्थिति और मजबूत होगी।s

जून 2023 में अपने लॉन्च के बाद से, 'द ग्लेनवॉक' ने कार्टेल ब्रदर्स की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर शानदार सफलता हासिल की है, जिसकी कमान कंपनी के सह-संस्थापकों मोक्ष सानी, जितिन मेरानी, रोहन निहलानी, मनीष सानी और चीफ़ बिजनेस ऑफिसर नीरज सिंह के हाथों में है। इसने कई मशहूर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुरस्कार भी जीते हैं, जिसमें प्रोवाइन 2023 में

गोल्ड मेडल, 2024 लंदन स्पिरिट्स प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल, तथा आईडब्ल्यूएससी 2024 में सिल्वर मेडल शामिल हैं। ये सभी पुरस्कार 'द ग्लेनवॉक' की बेमिसाल गुणवत्ता और उम्दा स्वाद को दर्शाते हैं, जिससे यह समझदार ग्राहकों के लिए सबसे पसंदीदा विकल्प बन गया है।

इस मौके पर लिविंग लिक्विड, मैन्शन के संस्थापक और कार्टेल ब्रदर्स के सह-संस्थापक, मोक्ष सानी ने कहा, "महाराष्ट्र के अपने समझदार ग्राहकों के लिए हमें 200 मिली निप बोतल की पेशकश करते हुए बेहद खुशी हो रही है। कार्टेल ब्रदर्स की विशेषज्ञता का भरपूर लाभ उठाते हुए हमने इसे लॉन्च किया है, जिससे जाहिर होता है कि हम इनोवेशन के साथ-साथ अपने ग्राहकों को प्रीमियम स्पिरिट अनुभव प्रदान करने के संकल्प पर कायम है। हमें पूरा यकीन है कि हमारे मौजूदा ग्राहकों को यह नया फॉर्मेट काफी पसंद आएगा और नए ग्राहकों को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा।

जाने-माने अभिनेता और 'द ग्लेनवॉक' के ब्रांड एंबेसडर, संजय दत्त कहते हैं: "ग्लेनवॉक 200 मिली निप सही मायने में एक गेम-चेंजर है। यह बेहद सुविधाजनक और किफायती पैकेज में 'द ग्लेनवॉक' के प्रीमियम स्वाद की पेशकश करता है। चाहे आप अकेले बैठकर शाम का आनंद ले रहे हों या फिर अपने दोस्तों के साथ खुशनुमा पल बिता रहे हों, ये निप ऐसे लम्हों का भरपूर आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका है।

'द ग्लेनवॉक' की 200 मिली निप बोतल का लॉन्च, भारत में सबसे बेहतर प्रीमियम स्कॉच व्हिस्की ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाने की दिशा में समझदारी से उठाया गया कदम है। 'द ग्लेनवॉक' अब अपने बेमिसाल स्वाद, किफायती मूल्य और सुविधाजनक पैकेजिंग के साथ बड़े पैमाने पर ग्राहकों को लुभाने और अपनी कामयाबी के सफ़र को जारी रखने के लिए तैयार है।

द ग्लेनवॉक का परिचय: कार्टेल ब्रदर्स द्वारा स्थापित और इसी कंपनी की मालिकाना हक वाली ग्लेनवॉक स्कॉच व्हिस्की बेहद उम्दा स्कॉच माल्ट और अनाज से तैयार किया गया एक प्रीमियम ब्लेंड है, जिसे तीन साल तक संजोकर रखा जाता है। संजय दत्त द ग्लेनवॉक के सेलिब्रिटी ब्रांड एम्बेसडर हैं। दुनिया के 3 सबसे बड़े मैन्युफैक्चरर्स में से एक द्वारा स्कॉटलैंड में तैयार किया जाने वाला, द ग्लेनवॉक बेमिसाल कीमत पर अव्वल दर्जे की गुणवत्ता की पेशकश करता है। अपने लॉन्च के एक साल के भीतर ही ग्लेनवॉक ने भारत के छह राज्यों में अपने कारोबार की शुरुआत की है, और बेहद कम समय में 30 से ज़्यादा डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स के साथ साझेदारी की है. जो किसी भी नए एल्कोबेव स्टार्टअप के लिए एक नायाब उपलब्धि है।

कैब एग्रीगेटर्स की मनमानी पर चलेगा सरकार का डंडा

अथॉरिटी के माध्यम से जांच करें

❑ केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है. उन्होंने लिखा है कि इस तरह के मामलों की गहन जांच के आदेश दिए गए हैं. पहली नजर में यह गलत कारोबारी व्यवहार लगता है. यह उपभोक्ता अधिकारों का घोर अपमान है. इसलिए मैंने जागो ग्राहक जागो को सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी के माध्यम से गहराई से जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट देने के लिए कहा है.

नई दिल्ली.

आपके पास एंड्रॉयड मोबाइल है या एप्पल का आईफोन? अब यह केवल स्टेटस सिंबल नहीं है. इसके आधार पर किस सर्विस के बदले कितना पैसा देना है, यह भी तय होता है. कैब बुकिंग करने वाली ऑनलाइन कंपनियों के ऐप पर ऐसे ही भेदभाव का खुलासा हुआ है. पाया गया कि दो खास लोकेशन के बीच जाने के लिए एंड्रॉयड मोबाइल से कैब बुक कराने पर किराया कम था.

वहीं एप्पल के आईफोन से बुक कराने पर किराया ज्यादा था. केवल कैब बुक करने वाली कंपनियां ही नहीं फूड डिलवरी करने वाले ऐप और सिनेमा शो की टिकट बुकिंग करने वाले ऐप भी इस तरह का भेदभाव करते हैं. ऐसी काफी शिकायतें मिली हैं. इसके बाद उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी को कैब बुक करने वाली ऐप कंपनियों की जांच के आदेश दिए हैं. फूड सर्विस डिलवरी की ऐप वाली कंपनियां और शो टिकट बुक करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म भी इसकी जद में आएंगे.

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी शुक्र विकली लॉटरी — निकाल — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर शुक्रवार • सोडत क्रमांक 52 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 27/12/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	1991	9171	6937 (महाराजा असोसिएट्स, इचलकरंजी)	7220	5207 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई)

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	1002	5469 (श्री अष्टविनायक लॉटरी - औरंगाबाद)			
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	2037	4024	4109	5244 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई)	8665

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0035	0630	1187	1742	3716	4321	5697	7886	8095	8294
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0757	1177	2232	2601	3776	4349	4398	4528	5175	8540

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	0570	1314	2345	3228	4162	5058	6285	7350	8588	9403
	0736	1318	2369	3237	4220	5156	6341	7373	8652	9439
0023	0750	1351	2492	3261	4242	5316	6360	7377	8782	9453
0030	0756	1371	2501	3284	4307	5449	6386	7581	8818	9525
0040	0783	1389	2548	3301	4407	5489	6404	7671	8830	9550
0102	0801	1476	2700	3319	4414	5533	6446	7721	8840	9597
0103	0824	1484	2707	3394	4429	5570	6628	7736	8844	9633
0153	0891	1515	2731	3397	4430	5605	6663	7745	8880	9691
0167	0897	1518	2774	3411	4431	5748	6690	7752	8882	9699
0204	0921	1615	2840	3420	4447	5749	6697	7775	8891	9714
0210	0931	1719	2860	3421	4449	5868	6847	7937	8953	9749
0300	0940	1949	2902	3460	4481	5922	6851	8187	9095	9753
0326	1008	2026	2922	3536	4483	5985	6865	8239	9120	9788
0340	1112	2057	2953	3570	4647	6034	7082	8246	9178	9906
0350	1141	2148	2994	3656	4730	6062	7133	8282	9199	9933
0383	1154	2223	3015	3669	4746	6141	7177	8285	9219	9934
0430	1198	2262	3050	3753	4763	6216	7240	8365	9289	9941
0480	1213	2265	3103	3863	4924	6243	7319	8548	9347	9946
0541	1216	2288	3152	3995	5027	6252	7340	8583	9365	9986

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — जिंका फक्त 4 अंकावर — मालिका 10 — MAHARASHTRA NATAL NEW YEAR BUMPER DRAW — पहिले सामायिक हमीपात्र बक्षिस ₹ 50 लाख (₹ 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (₹ 10,000 X 100 बक्षिसे) — सोडत दिनांक 03-01-2025 — नव वर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी शुक्र विकली लॉटरी सोडत दिनांक 27/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र वैभवलक्ष्मी विकली लॉटरी — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत दर शुक्रवारी — तिकीट किंमत रु. 50/- — सोडत क्र. 52 सोडत दिनांक 27/12/2024

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — VL-01 : 1071

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 1071 — ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे, प्रिन्स लॉटरी सेंटर अँड जनरल स्टोअर्स - कल्याण

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	3371	3668	3685	5129	6606	6761
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1073	2491	3628	4139	6222	6228
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1125	2698	3854	3993	4692	6993
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1624	2332	2584	3383	4486	6487

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)													
		1837	2222	2702	3125	3530	4029	4491	4913	5398	5757	6222	6644
		1857	2232	2722	3129	3534	4040	4492	4940	5414	5758	6223	6650
1012	1375	1891	2245	2723	3133	3543	4042	4501	4946	5415	5762	6230	6654
1029	1400	1892	2250	2729	3145	3548	4044	4519	4960	5416	5805	6231	6655
1056	1401	1901	2254	2749	3165	3573	4045	4534	4977	5419	5847	6255	6676
1066	1426	1915	2270	2754	3166	3595	4047	4538	4985	5450	5850	6257	6677
1071	1427	1923	2272	2769	3187	3663	4049	4558	4994	5475	5851	6296	6681
1095	1431	1968	2274	2782	3188	3682	4085	4563	5002	5476	5852	6301	6686
1104	1473	1979	2280	2783	3217	3687	4091	4616	5003	5477	5853	6305	6693
1106	1520	1990	2282	2820	3260	3693	4106	4640	5044	5479	5854	6325	6695
1109	1529	1991	2296	2826	3272	3695	4108	4646	5050	5489	5856	6337	6696
1112	1530	2002	2298	2848	3283	3706	4142	4647	5056	5499	5880	6338	6700
1115	1532	2017	2307	2869	3310	3724	4149	4667	5057	5503	5882	6362	6703
1116	1538	2024	2323	2872	3332	3726	4151	4686	5065	5508	5890	6365	6720
1124	1544	2032	2363	2878	3333	3731	4154	4692	5087	5522	5897	6376	6730
1154	1546	2035	2379	2893	3334	3735	4164	4702	5106	5523	5919	6389	6764
1156	1550	2041	2382	2911	3337	3738	4171	4703	5108	5536	5929	6420	6766
1161	1600	2048	2386	2912	3343	3757	4173	4720	5111	5543	5954	6429	6768
1167	1610	2049	2401	2922	3352	3762	4236	4725	5119	5552	5956	6441	6787
1170	1638	2067	2431	2924	3359	3783	4240	4739	5120	5553	5965	6469	6812
1179	1661	2082	2438	2942	3361	3837	4243	4742	5144	5566	5970	6502	6816
1189	1669	2087	2444	2970	3368	3891	4247	4748	5161	5567	5972	6546	6856
1190	1670	2088	2453	2972	3370	3893	4248	4762	5175	5570	5987	6562	6863
1198	1674	2092	2458	2988	3389	3895	4266	4774	5189	5576	5991	6565	6865
1212	1682	2109	2472	3003	3397	3909	4270	4789	5210	5583	5998	6579	6870
1247	1689	2118	2496	3005	3403	3916	4385	4792	5218	5586	6068	6591	6911
1253	1709	2137	2502	3016	3407	3917	4409	4804	5240	5593	6076	6603	6920
1256	1717	2147	2525	3030	3441	3931	4420	4832	5254	5604	6077	6606	6930
1263	1733	2166	2526	3037	3448	3933	4430	4834	5255	5622	6119	6607	6935
1271	1754	2177	2588	3073	3453	3937	4434	4840	5259	5625	6123	6621	6954
1278	1779	2193	2592	3080	3462	3957	4443	4844	5261	5628	6128	6622	6959
1289	1781	2201	2600	3083	3463	3960	4455	4860	5263	5656	6169	6623	6962
1314	1801	2215	2625	3089	3476	3983	4470	4884	5276	5675	6172	6624	6964
1351	1811	2219	2657	3100	3483	3995	4472	4892	5295	5697	6181	6625	6965
1354	1816	2220	2672	3107	3491	4006	4473	4904	5298	5739	6183	6637	6971
1370	1817	2221	2692	3120	3521	4022	4484	4906	5395	5745	6205	6643	6986

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — जिंका फक्त 4 अंकावर — मालिका 10 — MAHARASHTRA NATAL NEW YEAR BUMPER DRAW — पहिले सामायिक हमीपात्र बक्षिस ₹ 50 लाख (₹ 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (₹ 10,000 X 100 बक्षिसे) — सोडत दिनांक 03-01-2025 — नव वर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा

वैभवलक्ष्मी सोडत दिनांक 27/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

दिल्ली दरबार में अर्जी लेकर पहुंचे शिंदे

> पीएम से मुलाकात पर चर्चाओं का बाजार गर्म

मुंबई.

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उनके बेटे श्रीकांत शिंदे ने भी पीएम से मुलाकात की। श्रीकांत शिंदे महाराष्ट्र की कल्याण सीट से लोकसभा सांसद हैं। श्रीकांत शिंदे की पत्नी वृषाली शिंदे भी उनके साथ थीं। शिंदे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिलने गए। जिसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं की जा रही हैं।

महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन और विभागों के बंटवारे के बाद एकनाथ शिंदे पहली बार दिल्ली पहुंचे। पीएम मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ शिंदे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। जिसको लेकर सियासी हलचल बढ़ गई है। राजनीतिक हल्कों में चर्चा है गृह विभाग न मिलने से रुष्ट एकनाथ दिल्ली दरबार अरदास लेकर गए थे! हालांकि मुलाकात के बाद शिंदे ने इसके पीछे कुछ और कारण बताया है। डिप्टी सीएम शिंदे ने एक्स पर पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी से आज दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात महाराष्ट्र में मिले रिकॉर्ड जनमत और महायुति सरकार के गठन के बाद हुई। विकसित भारत के पथ पर राज्य के योगदान पर चर्चा हुई। दोनों सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और वृषाली शिंदे मौजूद रहे।

इसके साथ ही चंद्र शेखर बावनकुले को राजस्व, चंद्रकांत पाटिल को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, उदय सामंत को उद्योग, गणेश नाइक को वन, हसन मुश्रिफ को मेडिकल एजुकेशन, पंकजा मुंडे को पर्यावरण, गुलाबराव पाटिल को पानी आपूर्ति, दादा भुसे को स्कूल शिक्षा, राधा कृष्ण विखे पाटिल को जलसंपदा, अशोक विखे को आदिवासी विकास,धनंजय मुंडे को खाद्य आपूर्ति, प्रताप सरनाईक को परिवहन, संजय शिरसाट को सामाजिक न्याय, अतुल सावे को ओबीसी विकास और भरत गोगवाले को रोजगार विभाग की जिम्मेदारी दी गई।

महायुति सरकार में शिवसेना के 11 मंत्री शामिल

बता दें कि महायुति की सरकार में 39 मंत्री शामिल हैं. इनमें बीजेपी के 19, शिवसेना के 11 और एनसीपी अजित पवार गुट के नौ चेहरों को शामिल किया गया है। हाल ही में हुए महाराष्ट्र में विभागों के बंटवारे में पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे को शहरी विकास और लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने पास गृह, ऊर्जा और कानून विभाग रखा है। इसके अलावा अजित पवार को वित्त विभाग का जिम्मा दिया गया है।

शुगर फैक्ट्री के सल्फर टैंक में विस्फोट

> मौके पर 2 की मौत

मुंबई.

जालना जिले में एक चीनी कारखाने में सल्फर टैंक में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया. एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना यहां से करीब 390 किलोमीटर दूर पार्टूर में बागेश्वरी चीनी फैक्ट्री में गुरुवार दोपहर को हुई. उन्होंने बताया कि 'जब फैक्ट्री में काम चल रहा था, एक सल्फर टैंक में विस्फोट हो गया. मृतकों की पहचान सिंदखेडराजा निवासी अशोक तेजराव देशमुख (56) और परतुर निवासी अप्पासाहेब शंकर पारखे (42) के रूप में हुई है. एक व्यक्ति घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती है.' अधिकारी ने बताया कि पार्टूर पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए फैक्ट्री प्रबंधन और अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है. इसी साल जालना की ही एक और फैक्ट्री में बड़ा हादसा हुआ था. यहां एक स्टील फैक्ट्री में बॉयलर विस्फोट में 22 मजदूर घायल हुए थे जिसमें से एक ने निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया. रिपोर्ट के मुताबिक 24 अगस्त की दोपहर को जालना के एमआईडीसी क्षेत्र में गज केसरी स्टील फैक्ट्री के बॉयलर में ये धमाका हुआ था.

आरोपी को राहत मिलने पर कोर्ट नाराज

मुंबई.

दुष्कर्म के आरोपी एक प्रोड्यूसर द्वारा एक मॉडल के साथ दुष्कर्म मामले में अदालत में सुनवाई हुई। एक सत्र अदालत ने कहा है कि दुष्कर्म के आरोपी फिल्म निर्माता गुणवंत जैन को उसकी गिरफ्तारी के आधार के बारे में सूचित किए जाने के मामले में राहत देने में अधीनस्थ अदालत को "अति-तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए था। मॉडल (38) के साथ दुष्कर्म के आरोपी जैन को 21 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन पुलिस ने उन्हें उपनगर अंधेरी में एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेश किया और पांच दिनों के लिए उसकी रिमांड मांगी। मजिस्ट्रेट ने हालांकि जैन की तत्काल रिहाई का आदेश देते हुए कहा कि उन्हें हिरासत में लिये जाने के 4 मिनट बाद गिरफ्तारी के कारणों के बारे में सूचित किया गया, और इसे उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) का उल्लंघन बताया।

अदालत ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने में विफल रहने की स्थिति में जांच अधिकारी को जैन को गिरफ्तार करने की अनुमति दे दी। मजिस्ट्रेट अदालत में झटका लगने के बाद पुलिस ने सत्र अदालत में दलील दी थी कि मजिस्ट्रेट का आदेश "कानून के विपरीत और जांच के लिए हानिकारक" था। पुलिस ने यह भी तर्क दिया कि जैन की गिरफ्तारी वैध थी और बीएनएसएस के अनुरूप थी।

सत्र अदालत ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि फिल्म निर्माता को गिरफ्तारी के आधार बता दिए गए थे और यह केवल समय के बारे में था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा, "कानून के अनुसार गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी तुरंत दी जानी चाहिए। तत्काल का अर्थ कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन मेरे विचार में, कानूनी अर्थ के अनुसार परिस्थितियों के अनुसार इसे उचित समय के भीतर होना चाहिए। अदालत ने कहा, "रिकॉर्ड किए गए समय में यह विसंगति परिस्थितियों के तहत गिरफ्तारी के आधार टाइप करने के दौरान समय की चूक प्रतीत होती है। इस विसंगति के कारण अभियुक्त को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।" न्यायाधीश ने आदेश में कहा, "मजिस्ट्रेट ने आक्षेपित आदेश में अति-तकनीकी दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि गिरफ्तारी अवैध थी। ऐसा दृष्टिकोण न तो कानून के अनुसार टिकने योग्य है और न ही रिकॉर्ड द्वारा समर्थित है। प्रोड्यूसर पर शादी का झूठा आश्वासन देकर मॉडल का यौन शोषण करने का आरोप है। पुलिस ने दावा किया है कि उसने अपराध करने से पहले मॉडल को नशीला पदार्थ दिया था और उसे धमकाया था।

दरिंदे ने 19 वर्षीय युवती से किया दुष्कर्म

मुंबई. पीड़ित युवती ने इस मामले में 23 दिसंबर को बदलापुर पूर्व पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। इसके बाद मात्र 12 घंटों में दरिंदा ऑटो चालक दत्ता जाधव को खरवई इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। बदलापुर में छोटी बच्चियों के साथ हुए अत्याचार के मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया था। उस मामले के आरोपी अक्षय शिंदे को एनकाउंटर में मार गिराया गया था। अब बदलापुर में एक और दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस घटना में दोस्त ने ही अपनी सहेली को धोखा दिया। बदलापुर में 19 वर्षीय युवती के साथ एक ऑटो चालक ने दुष्कर्म किया। इस घटना में पीड़िता की सहेली ने पहले उसे बीयर पिलाई और फिर जब वह बेहोश हो गई, तो उसे अपने ऑटो चालक दोस्त दत्ता जाधव के हवाले कर दिया। इसके बाद दरिंदे ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

शिवसैनिक ही रच रहे थे हत्या की साजिश

> सीनियर नेताओं की तरफ घूमी शक की सुई

मुंबई.

अंबरनाथ के शिवसेना विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की हत्या की सुपारी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में ठाणे क्राइम ब्रांच की टीम ने अब तक 2 युवकों को हिरासत में लिया है साथ ही वह कुछ अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं, क्राइम ब्रांच द्वारा विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की सुपारी मामले में अंबरनाथ नपा के एक पूर्व अध्यक्ष व एक पूर्व उपाध्यक्ष को नोटिस जारी की गई है। यह दोनों की अंबरनाथ के वरिष्ठ शिव सेना नेता हैं। डॉ. बालाजी किणीकर चौथी बार विधायक बने है।

शिवसेना के विधायक डॉ. किणीकर को जान से मारने को लेकर जिनको पुलिस ने पकड़ा है वह दोनों शिव सैनिक हैं तथा जिनको जांच के लिए नोटिस देकर बुलाया गया है वह भी शिवसेना के निष्ठवानों की सूची में आते हैं। शिवसेना के बड़े नेताओं को जांच के लिए तलब किए जाने से शहर में लंबे अर्से बाद एक बार फिर से राजनीति गर्मा गई है। अंबरनाथ का राजनीतिक इतिहास रक्तरंजित रहा है. जानकारी के अनुसार 1990 के दशक में शिवसेना व समता सेना के बीच खूनी संघर्ष चला था। इसके बाद राजनीतिक हत्याओं का दौर चला जिसमें आधा दर्जन हत्याएं हुईं।

इसमें नगरसेवक आरपीआई के नरेश गायकवाड़, भाजपा के वसंत पांढरे, शिवसेना के प्रसन्न कुलकर्णी, नितिन वारिंगे, रमेश गुंजाल का समावेश है वही समता सेना व शिवसेना के संघर्ष में शिवसेना के देवराम वालुंज, किशोर सुले, रमेश गोसावी, समता सेना के दीपक जाधव, अरुण जाधव की हत्याए भी शहर की राजनीति में वर्चस्व को लेकर हुई है। विधायक डॉ. बालाजी किणीकर अपने भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए अपने पैतृक गांव लातूर गए हुए हैं। शुक्रवार को विधायक के अंबरनाथ लौटने की जानकारी है। विधायक किणीकर ने मोबाइल पर स्थानीय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हे उनके एक भरोसेमंद कार्यकर्ता ने सबसे पहले बताया था कि उनकी हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा है।

बंधक बनाकर जबरन शादी

ठाणे. एक लड़की को बहला-फुसलाकर शादी के लिए मजबूर किया गया. यह मामला जब सामने आया तो शिकायत पुलिस से की गई. पुलिस ने केस दर्ज कर 12 आरोपियों पर कार्रवाई की है. इनमें सात लोगों की पहचान हो चुकी है. पुलिस का कहना है कि शिकायत करने वाली पीड़ित लड़की ने बताया कि पहले उसे मंदिर में दर्शन कराने के बहाने गुजरात के नवसारी ले जाया गया. इसके बाद वहां से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक रिश्तेदार के घर पर ले जाया गया. वहां ले जाने के बाद उसको एक व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर किया गया. लड़की ने ठाणे के कलवा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई शिकायत में कहा है कि गाजियाबाद में उसके रिश्तेदारों ने उसे जबरन एक व्यक्ति से शादी करने को मजबूर किया. इसके बाद उसने जैसे-तैसे इस मामले की जानकारी पुलिस को दे दी. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की.

नौकरी के लिए किया आबकारी विभाग का जाली पत्र

> ठाणे में दर्ज मामला

ठाणे.

सरकारी नौकरी पाने के लिए कई लोग तरह-तरह के हथकंडे अपनाते रहते है। इसके लिए कई लोग गैर-कानूनी तरीके अपना कर सरकार नौकरी पाने की कोशिश करते रहे है। इसका एस मामला सामने आया है, जिसकी जानकारी अधिकारी ने दी। ऐसा ही एक मामला ठाणे से सामने आया है। महाराष्ट्र में आबकारी विभाग में नौकरी पाने के लिए एक सरकारी अधिकारी के नाम वाले जाली पत्र का इस्तेमाल किया गया। इस मामले को लेकर एक आरोप में ठाणे पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

इस मामले के बारे में एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पिछले साल ठाणे के सरकारी अस्पताल को आबकारी विभाग के एक शीर्ष अधिकारी की मुहर और नाम वाला एक फर्जी पत्र भेजा गया था। इस पत्र में विभाग के लिए चयनित दो उम्मीदवारों का चिकित्सा परीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। चिकित्सा परीक्षण कराए जाने के बाद उसमें से एक उम्मीदवार को जिले के मुरबाद में तथा दूसरे को शाहपुर क्षेत्र में आबकारी उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया। बाद में मिली एक शिकायत में नियुक्ति से संबंधित धोखाधड़ी और दस्तावेजों में जालसाजी का खुलासा हुआ। अधिकारी ने बताया कि वागले एस्टेट थाने में बृहस्पतिवार को राज्य आबकारी अधीक्षक की शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया और जांच की जा रही है।

ऐसा नहीं है कि ये कोई पहला मामला हो ऐसे कई मामले होते है लेकिन सभी मामले सामने नहीं आ पाते। इसलिए सरकारी नौकरी के लिए सख्त से सख्त निरीक्षण किया जाता है ताकि कोई गलत तरीके से और अवैध तरीके से नौकरी ना पा सकें और सही उम्मीदवार को उसकी

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने किसानों से की मुलाकात

मुंबई. महाराष्ट्र में किसानों को वक्फ बोर्ड से नोटिस मिलने का मामला गरमाता जा रहा है. इस बीच महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काजी ने बुधवार को लातूर जिले के कुछ उन किसानों से मुलाकात की, जिन्हें अपनी जमीन के मालिकाना हक को लेकर वक्फ अधिकरण से नोटिस मिले हैं. काजी ने कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं हैं और याचिकाकर्ता के दावे के विपरीत संबंधित भूमि बोर्ड के राजपत्र में सूचीबद्ध नहीं है. तालेगांव के कुल 103 किसानों और बुधोडा के 25 किसानों को अधिकरण से नोटिस मिला है, क्योंकि एक व्यक्ति ने याचिका दायर कर दावा किया है कि उनकी कुल 300 एकड़ जमीन वक्फ की संपत्ति है. किसानों का कहना है वे कई पीढ़ियों से इन जमीनों पर खेती कर रहे हैं. काजी ने औसा तहसील के बुधोडा गांव का दौरा करने के बाद न्यूज एजेंसी से कहा कि किसानों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है. काजी ने स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड ने कोई नोटिस जारी नहीं किया है. उन्होंने कहा कि नोटिस छत्रपति संभाजीनगर में महाराष्ट्र राज्य वक्फ अधिकरण की ओर से एक व्यक्ति की याचिका के जवाब में भेजे गए थे. उन्होंने कहा, "वक्फ बोर्ड न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है. विवादित भूमि हमारे राजपत्र में पंजीकृत नहीं है और मामला वर्तमान में अधिकरण में कानूनी समीक्षा के अधीन है. किसानों को आश्वस्त रहना चाहिए कि उनके हितों की रक्षा की जाएगी.

कर्मचारी ने कर दिया 21 करोड़ का फ्रॉड

संभाजीनगर. महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के संभागीय खेल परिसर में 21 करोड़ 59 लाख रुपये का घोटाला हुआ है। इस घोटाले की जानकारी सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। इस खेल परिसर के एक सरकारी कर्मचारी ने करोड़ों का गबन कर बीएमडब्ल्यू कार और बाइक खरीदी है। इसके साथ ही आरोपी ने अपनी गर्लफ्रेंड को फ्लैट भी गिफ्ट किया है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर खेल परिसर प्रशासन से इंटरनेट बैंकिंग के जरिए यह हेराफेरी की है। बताया जा रहा है कि आरोपी कर्मचारी हर्षल कुमार अनिल क्षीरसागर यहां कॉन्ट्रैक्ट पर कंप्यूटर ऑपरेटर का काम करता था और उसकी सैलरी सिर्फ 13 हजार रुपये थी। 21.59 करोड़ रुपये के मामले का मुख्य आरोपी हर्षल कुमार फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

छत्रपति संभाजीनगर सिटी पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने औरंगाबाद एयरपोर्ट के पास एक फ्लैट की तलाशी ली। अधिकारियों ने करीब चार घंटे तक फ्लैट की तलाशी ली, लेकिन उन्हें सिर्फ घरेलू सामान ही मिला। आरोपी ने इस मामले में कुछ अन्य लोगों की भी मदद ली थी, जिसमें यशोदा शेट्टी और उनके पति बीके जीवन शामिल हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सभी खातों और संबंधित

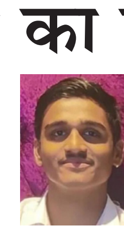

दस्तावेजों को जब्त कर फ्रीज कर दिया है। पुलिस को संदेह है कि इसमें कुछ और लोग शामिल हो सकते हैं।

मुख्य आरोपी ने कथित तौर पर खेल विभाग के पुराने लेटरहेड का इस्तेमाल किया और बैंक को एक ईमेल भेजा, जिसमें खेल परिसर के बैंक खाते से जुड़े ईमेल पते को बदलने का अनुरोध किया गया था। उसने सिर्फ एक अक्षर बदलकर एक समान ईमेल पता बनाया था। मुख्य आरोपी नए बनाए गए ईमेल का इस्तेमाल करने में सक्षम था। फिर उसने जालना रोड पर एक राष्ट्रीयकृत बैंक के साथ संभागीय खेल परिसर समिति के खाते के लिए नेट बैंकिंग सेवा सक्रिय की। पुलिस ने कहा कि 1 जुलाई से 7 दिसंबर, 2024 के बीच, कंप्यूटर ऑपरेटर ने अपने और 12 अन्य बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर किए। इनमें से एक खाते में 3 करोड़ रुपये मिले। जांच में पता चला है कि फरार कंप्यूटर ऑपरेटर ने 1.2 करोड़ रुपये की एक बीएमडब्ल्यू कार, 1.3 करोड़ रुपये की एक और एसयूवी, 32 लाख रुपये की एक बीएमडब्ल्यू मोटरसाइकिल और एक आलीशान फ्लैट खरीदा है। उसने अपनी गर्लफ्रेंड के लिए हीरे जड़े चश्मे भी मंगवाए थे। पुलिस ने बीएमडब्ल्यू कार और बाइक पहले ही जब्त कर ली है।

बाइक सवारों ने सरपंच पर किया हमला

मुंबई.

धाराशिव जिले में सनसनीखेज घटना सामने आई है. यहां चार अज्ञात व्यक्तियों ने सरपंच नामदेव निकम की एसयूवी पर हमला कर शीशे तोड़ दिए. इसी के साथ कार में पेट्रोल से भरा कंडोम फेंक दिया. इस हमले में सरपंच के साथ एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया है. इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि यह घटना तुलजापुर के पास हुई. यहां मेसाई जावलगा गांव के सरपंच नामदेव निकम अपनी एसयूवी में सवार होकर बारुल से गांव की ओर जा रहे थे. इसी दौरान दो बाइक पर सवार चार लोगों ने उनकी गाड़ी का पीछा किया. सबसे पहले हमलावरों ने गाड़ी के सामने वाले शीशे पर अंडे फेंके. इसके बाद एक सीमेंट ब्लॉक से हमला कर गाड़ी के विंडशील्ड को तोड़ दिया. हमलावरों ने गाड़ी में पेट्रोल से भरा कंडोम फेंका और चारों तरफ ज्वलनशील पदार्थ छिड़क दिया. इस हमले में नामदेव निकम और गाड़ी में उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति को चोटें आईं.

घटना की जानकारी पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. तुलजापुर पुलिस ने सरपंच नामदेव निकम की शिकायत पर चार अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. पुलिस के मुताबिक, सरपंच निकम पुणे में रहते हैं और सप्ताह में दो-तीन बार अपने गांव आते हैं. सरपंच ने पुलिस को बताया है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है. तुलजापुर पुलिस सरपंच निकम पर हुए हमले की जांच में जुटी है. हमलावरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब बीड जिले के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई.

संजय राउत पागल व्यक्ति हैं!

> भड़के शिंदे गुट के नेता

मुंबई. शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत की ओर से चुनाव आयोग पर दिए बयान को लेकर शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा कि उनकी हरकतें बढ़ती जा रही हैं, वह एक पागल व्यक्ति हैं, उन्हें इलाज की जरूरत है और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए. संजय राउत को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए, ऐसे बयानों से काफी बदनामी होती है.

संजय शिरसाट ने कहा, "मैं सरकार से मांग करूंगा कि उन पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए. रोजाना वह मीडिया के सामने कुछ न कुछ

कहते रहते हैं. वह लोगों को बहकाना चाहते हैं, लेकिन लोग उनके बहकावे में नहीं आने वाले हैं. लोगों को इससे तकलीफ ही होती है." देवेंद्र फडणवीस पर संजय राउत के बयान पर शिवसेना नेता ने कहा कि अर्बन नक्सलवाद जो था वो अब वहां से निकल चुका है जो नक्सली थे वे खुद सरेंडर कर चुके हैं.

शिवसेना नेता ने कहा, "मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जिस इलाके के बारे में वह कह रहे हैं क्या संजय राउत वहां होकर आए हैं. आज सभी लोग विकास चाहते हैं, कोई नक्सलवाद नहीं चाहता है. देवेंद्र फडणवीस विकास में विश्वास करते हैं.

इसके अलावा ईवीएम पर सुप्रिया सुले के बयान पर शिवसेना नेता ने कहा कि उन्होंने जो कहा वह सही है. लोकसभा चुनाव के दौरान ईवीएम ठीक था, लेकिन विधानसभा चुनाव के वक्त ईवीएम खराब हो गया. कांग्रेस के लोग हारने के बाद ईवीएम पर ही दोष लगाते हैं. कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी बैठक पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी भारत को एक संग नहीं रखना चाहती थी.

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए नौकरी के मामले में अच्छा रहने वाला है, लेकिन यदि आपने कामों में अपनी चलायी,

वृषभ - आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र के कामों में कुछ व्यवधान महसूस करेंगे,

मिथुन -आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आपको अपने कामों में यदि अपने सहयोगियों से कोई मदद की आवश्यकता होगी,

कर्क- आज का दिन आपके लिए अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा प्लान करने के लिए रहेगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपकी कुछ खास व्यक्तियों से मुलाकात होगी। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कुछ उलझनों से भरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी को लेकर आपकी कुछ समस्याएं बढ़ेंगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा। आपका मन इधर-उधर के कामों में ज्यादा लगेगा,

धनु- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी,

मकर- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। यदि आप किसी शारीरिक कष्ट को लेकर परेशान चल रहे थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए पारिवारिक समस्याओं को लेकर आने वाला है। आपको अपने किसी बिजनेस पार्टनर से कोई वाद-विवाद होने की संभावना है।

मीन -आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बेहतर रहेगा, बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है।

बीजेपी में शामिल होंगे भुजबल?

> एनसीपी नेता के दावे से हलचल तेज

मुंबई.

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नहीं बनाए जाने पर एनसीपी अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल की नाराजगी खुलकर सामने आ गई. इसके बाद हाल ही में सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद उनके बीजेपी में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं. इस बीच इस पूरे मामले को लेकर एनसीपी के बड़े नेता और मंत्री नरहरि झिरवाल का बड़ा बयान सामने आया है.

एबीपी माझा के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार में खाद्य एवं औषधि विभाग के मंत्री नरहरि झिरवाल ने दावा किया, "छगन भुजबल बीजेपी में शामिल नहीं होंगे, वह अजितदादा के साथ रहेंगे." हालांकि झिरवाल ने ये भी कहा कि मैंने उनसे मुलाकात की थी, मंत्री नहीं बनाए जाने को लेकर भुजबल नाराज हैं. महायुति गठबंधन में प्रत्येक पार्टी का प्रमुख अपनी पार्टी के लिए फैसला करता है. उनके एनसीपी छोड़ने की अटकलों को उस समय भी बल मिला जब उन्होंने एक बयान में कहा था, "जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना." इसके बाद से ही उनके एनसीपी छोड़ने के कयास लगाए जा रहे हैं. हालांकि ये सिर्फ कयास ही हैं. गौरतलब है कि महाराष्ट्र में ओबीसी के बड़े नेता छगन भुजबल ने कहा कि वह मंत्री नहीं बनाए जाने से निराश नहीं हैं, लेकिन अपने साथ किए गए व्यवहार से अपमानित महसूस कर रहे हैं.

'मंत्री बनाने के पक्ष में थे सीएम'

बता दें कि वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने हाल ही में दावा किया था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के पक्ष में थे. उन्होंने कहा कि एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार पार्टी के लिए वैसे ही निर्णय लेते हैं जैसे बीजेपी के लिए फडणवीस और शिवसेना के लिए एकनाथ शिंदे करते हैं. उन्होंने कहा, "मैं इस बात की पुष्टि करता हूं कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य मंत्रिमंडल में मुझे शामिल करने पर जोर दिया था.

महिला ने किया युवक पर एफआईआर

मुंबई.

भिवंडी में शर्मनाक मामला सामने आया है. यहां एक व्यक्ति पड़ोस में रहने वाली एक महिला के नहाते समय खिड़की से ताक-झांक कर रहा था. इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया है. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 77 के तहत कार्रवाई की गई है. एजेंसी के अनुसार, यह मामला भिवंडी के रेटीबंदर इलाके का है. यहां 30 वर्षीय व्यक्ति पर पड़ोस में रहने वाली महिला की निजता का उल्लंघन करने का आरोप लगा है. पुलिस का कहना है पड़ोस के घर में रहने वाली महिला अपने घर के बाथरूम में नहा रही थी. उसी दौरान पेशे से ड्राइवर आरोपी भास्कर झा ने महिला के घर के बाथरूम की खिड़की खोल दी और अंदर झांकने की कोशिश की. इस घिनौने कृत्य के बारे में महिला को पता चला तो उसने परिजनों को जानकारी दी.

इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई. पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. इस पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 77 के तहत पुलिस ने एक्शन लिया है. पुलिस ने बताया कि महिला के बयान और सबूतों के आधार पर कार्रवाई की गई.

सुविचार

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए

संपादकीय

सही निकला डर

❍ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जिस तरह के कदम उठा रही है, उससे दोनों देशों के रिश्तों में बेहतरी आने के बजाय खटास और बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। खासकर, जिस तरह से बांग्लादेश की पाकिस्तान से करीबी बढ़ रही है, वह भारत के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है। पड़ोसी मुल्क में हालिया सत्ता परिवर्तन सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं था। इसलिए उसके बाद थोड़ी अफरातफरी स्वाभाविक थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही जिस तरह से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ, वह अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भी जारी रहा। यह इस बात का संकेत था कि बांग्लादेश का नया नेतृत्व या तो इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में है या उन पर अंकुश लगाने में असमर्थ है। लंबी सरहद वाले इस पड़ोसी मुल्क में इस तरह का घटनाक्रम सीधे तौर पर भारत को प्रभावित करता है। लिहाजा, भारत ने ठीक ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से बार-बार कहा कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मगर वहां की सरकार ठोस कदम उठाने के बजाय हिंसा की इन घटनाओं को झुठलाने में लगी रही। इसके साथ ही उसने ऐसा रुख अपनाना शुरू किया जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। इसी रुख का ताजा उदाहरण है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग। दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक प्रत्यर्पण की बात नहीं है, फिर भी इस संधि के हवाले से उस पर जोर दिया जा रहा है। भारत ने इस पर खामोशी बनाए रखी है, लेकिन यह सवाल तो है ही कि क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जाने-अनजाने इस मांग के जरिए उसे असुविधाजनक स्थिति में डालने की इच्छा रखने वालों का अजेंडा आगे बढ़ा रही है। यह सब जैसे काफी न था, बांग्लादेश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ आश्चर्यजनक तेजी से संबंध सुधारने शुरू कर दिए। हालांकि कोई भी देश किसी भी अन्य देश से रिश्ते सुधारता है तो इसमें आपत्तिजनक कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस तरह से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ हुई मुलाकात में बांग्लादेशी सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस ने 1971 के मसले सुलटाने की बात कही, बांग्लादेशी सेना को पाक सेना के जरिए ट्रेनिंग दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई.

लघुकथा

आओ संसद-संसद खेलें

❍ कल रविवार था। जाहिर तौर पर अवकाश था और मैं संपूर्ण आराम के मूड में था कि खाना खाकर लंबी तानकर दो चार घंटे सोऊंगा। ताकि पिछले सप्ताह अनावश्यक भागदौड़ से हुई थकावट से कुछ निजात पा सकूं। खाने के बाद लेटा ही थाकि बाहर पोर्च में बड़ी जोर जोर से लड़ने और चीखने की आवाजें आने लगीं। घबराकर मैं बाहर भागा कि ऐसा क्या हो गया कि बच्चे अचानक चीखने लगे। पोर्च में मेरे तीन और मोहल्ले के कोई तीन चार बच्चे जोर जोर से चीख रहे थे, कुर्सियां लेकर एक दूसरे पर झपट रहे थे। कुछ बच्चे हाथों में ईंटों के टुकड़े और पत्थर लिये थे और एक दूसरे को भद्दे शब्दों से संबोधन कर रहे थे।। पोर्च के दूसरी तरफ भी मोहल्ले के सात आठ बच्चों का हुज़ूम था। छोटे छोटे प्लास्टिक के गैस चूल्हों पर अल्यूमीनियम के बर्तन रखे थे और इधर उधर छोटे छोटे थाली गिलास बिखरे पड़े थे। मैंने अपने बच्चों से पूछा "क्या कर रहे हो तुम लोग ,क्यों इतना शोर मचा रहे हो? थोड़ा आराम भी नहीं करने देते, और हाथों में ये ईंटे पत्थर. क्या है ये?" और मैंने अपने बेटे पिंटू का कान पकड़कर पोर्च के दूसरी तरफ इशार कर चिल्लाते हुये कहा "उधर देखो वे भी तो तुम्हारी तरह बच्चे हैं, कितनी शांति से खेल रहे हैं। "मगर पापा वे लोग तो घर घर खेल रहे हैं।" फिर तुम लोग क्या खेल रहे हो? "पापा हम लोग संसद संसद खेल रहे हैं न। पिंटू ने भोलेपन से जबाब दिया और कान छुड़ाने का प्रयास करने लगा। मेरा गुस्सा काफूर हो गया औ मुझे हंसी आ गई। उसके कान पर से कब हाथ छूट गया मुझे मालूम ही नहीं पड़ा। ठीक है खेलो बेटा" मैं इतना ही कह सका और भीतर आ गया।

संस्मरण

यशवन्त कोठारी

कठपुतलियों का संसार

❍ कठपुतलियों की देश और विदेश में लोकप्रियता और प्रसिद्धि दिलाने हेतु स्व. देवीलाल सामर ने बहुत काम किया। उदयपुर का भारतीय लोक कला मण्डल परम्परागत और नवीन कठपुतलियां तथा उनके समाज शास्त्रीय अध्ययन पर काफी काम कर रहा है। पुतलियां चाहे पुरातन हों अथवा नवीन, सैद्धान्तिक दृष्टि से एक ही नियम में बंधी हैं, और किन्हीं वास्तविक प्राणियों की नकल नहीं हो सकती। न्यूनतम अंग भंगिमाओं से अधिकतम भंगिमाओं का भ्रम उत्पन्न करना पारम्परिक एवं आधुनिक पुतलियों का परम धर्म है।पुतली सिद्धान्त की दृष्टि से पुरातन पुतलियां जितनी आधुनिक हैं, उतनी आधुनिक पुतलियां नहीं। चित्रकला की तरह भारतीय पुतलियां अनुकृति मूलकता से हटकर आभासिक रही है। आन्ध्र, राजस्थान एवं उड़ीसा की पुतलियां इसी क्रम में आती हैं। आधुनिक पुतलियां पारम्परिक पुतलियों का ही परिष्कृत रूप है। इन पुतलियों को पारम्परिक पुतली सिद्धान्त से ही जोड़ा जा सकता है। पारम्परिक पुतलियां अपने नियमों से बंधी होने के कारण विकास नहीं पा सकीं। राजस्थान के पारम्परिक पुतलीकार अमरसिंह राठौर या राणा प्रताप के ख,ेल से आगे नहीं बढ़ना चाहते। उड़ीसा के पुतलीकार गोपीकृष्ण के कथानक को नहीं छोडते। आन्ध्र के छाया कठपुतलीकार रामायण एवं महाभारत के ही खेल करते है। यही कारण है कि यह परम्परा अब मृतप्रायः सी हो चुकी है। लेकिन पुतली कला के विषय अब प्रमुख रूप से शिक्षा, मनोरंजन, सामाजिक विसंगतियों आदि से सम्बन्धित होते हैं। वसीला नामक कठपुतली नाटक ने भारत व सोवियत समाज को नजदीक लाने में मदद की।भारत को कठपुतलियों का जन्म स्थल नहीं माना जाता हैं, लेकिन एशिया अवश्य ही कठपुतलियों का जन्म स्थल है। चीन, जापान, मलेशिया, इन्डोनेशिया, बर्मा आदि देशों में कठपुतलियों का विवरण वहां के प्राचीन साहित्य में मिलता है। पुतलियां अपने विकास के समय से ही मानवीय नाटक से जुड गयी। विश्व के पुतली विशेषज्ञ इस बात पर एक मत हैं कि मानवीय नाटक के रंगमंचीय अवतरण से पूर्व ही पुतलियां विकास पर थीं पुतलियां मूल रूप मनुष्य की धार्मिक भावनाओं को ही विकसित करती रहीं। यही कारण है कि पुतलियां प्रकृति से जुड गयी और धार्मिक व पारम्परिक प्रसंगों को पुतलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाने लगा। पुतली नाट्य लोक शैली का ही एक नाटक था जो लोक नाट्यों के रूप से विकसित हुआ। पुरातन शैली में प्रस्तुत करने वाले अधिसंख्य पात्र आज भी मुखौटा लगाते हैं। अफ्रीका, जावा, बाली, श्रीलंका, बर्मा में ऐसे नाट्य आज भी बहुत प्रचलित हैं। भारत में भी यही स्थिति है। मेवाड का गवरी, दक्षिण का यक्ष नाट्य आदि में मुखौटों का बड़ा महत्व है। दक्षिण भारत के प्रायः सभी लोक नाट्यों की अंग भंगिमाएं, वेशभूषा आदि पुतलियों की तरह ही हैं।

यूरोपीय देशों में पुतली परम्परा 300 वर्ष की मानी गयी है। भारत में यह आदि मानव से जुड़ी है। सांस्कृतिक कार्यों में पुतली का प्रयोग और प्रतीकों का महत्व सर्वविदित है।

मनमोहन सिंह के एहसान सोनिया-राहुल को नहीं भूलना चाहिए

मृगांक शेखर

इतिहास चाहे जैसे भी आकलन करे

❒ पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के पहले कार्यकाल के दम पर ही यूपीए की सत्ता में वापसी हुई थी. पहली पारी तो नहीं, लेकिन दूसरी पारी में केंद्र सरकार के मंत्रियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते मनमोहन सिंह निशाने पर आ गये थे, लेकिन वो हमेशा ही बेदाग रहे. जनवरी, 2014 में दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए मनमोहन सिंह ने एक बात कही थी, जिसका बार बार हवाला दिया जाता है, 'मैं ये नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं... मैं ईमानदारी से ये मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में अधिक उदार होगा. राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है.' और इस तरह मनमोहन सिंह ने अपनी बात बोल कर देश और लोगों पर छोड़ दिया. अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों. ये सही है कि अब इतिहास को ही तय करना है कि मनमोहन सिंह ने क्या किया है, या क्या नहीं किया. अब इतिहास चाहे जैसे भी आकलन करे, लेकिन मनमोहन ने जो काम कांग्रेस के लिए किया है, जो काम गांधी परिवार के लिए किया है, वो एहसान सोनिया गांधी और राहुल गांधी नहीं भूल सकते. कभी नहीं. अगस्त. 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1984 दंगों के लिए संसद और देश से माफी मांगी थी. मनमोहन सिंह ने कहा था, 'मुझे न सिर्फ सिख समुदाय... बल्कि, देश से भी माफी मांगने में कोई हिचकिचाहट नहीं है... देश में जो कुछ हुआ, उसके लिए मैं शर्म से अपना सिर झुकाता हूं.' और जब कभी भी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार और दिल्ली के सिख विरोधी दंगों को लेकर निशाने पर आते हैं, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान को ही वो ढाल बनाने की कोशिश करते हैं.

ऐसे सवालों के जवाब में राहुल गांधी कहते हैं, 'पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने 1984 के दंगों को लेकर संसद में अपना रुख स्पष्ट किया था, और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी ऐसा कर चुकी हैं. मैं मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की बातों का पूरी तरह समर्थन करता हूं... मैंने भी पहले इस पर अपना रुख साफ तौर पर स्पष्ट किया है.'

व्यंग्य

यशवन्त कोठारी

सेमिनारों का शिकंजा

❍ वर्षों से हिन्दी व्यंग्य के जंगल में अरण्यरोदन कर रहा हूं, किसी ने घास तक नहीं डाली, कुछ पुस्तकें व रचनाएं अंग्रजी में क्या छपीं, सेमिनारों में बुलाया जाने लगा हूं। सेमिनारों के आकार-प्रकार, क्रिया-कलाप इतने विविध और आश्चर्य में डालने वाले होते है कीं इन पर अलग से एक सेमिनार आयोजित की जा सकती है। सेमिनार आयोजन-विशेषज्ञों के अनुसार सेमिनार प्रांतीय, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय होते है। कुछ मोहल्ले स्तर के लोग मिलकर एक समिति बना लेते हैं, उसका पंजीकरण करा कर किसी सरकारी खजाने से अनुदान प्राप्त करके सेमिनार का आयोजन कर लेते हैं। सेमिनारों में आना-जाना, खाना-पीना सब निःशुल्क उपलब्ध होता है। विशेषज्ञों की हालत ये है कि हवाई जहाज का किराया देकर आप किसी भी विषय पर किसी भी विचारधारा का पोषण करने वाला भाषण दिलवा सकते हैं।

इन सेमिनारों में नियमित जाने वाले पाठक जानते हैं कि सेमिनारों की कुल उपलब्धियां दो होती हैं-एक रोटी और दूसरा थैला। रोटी यानि लंच, ब्रेकफास्ट, डिनर और थैला यानि किट या बैग। किट या बैग में कुछ एब्स्ट्रेक्ट, कुछ छपी पत्रिकाएं और पेन व डायरी तथा खाने के निःशुल्क कूपन। कई बार किट का बैग इतना सुन्दर होता है कि इसे प्राप्त करने के लिए हाथापाई, जूतम पैजार तथा कालर पकड़ने के राष्ट्रीय कार्यक्रम भी सम्पन्न होते हैं। सेमिनारों में एक पंजीकरण कार्यक्रम होता है, जिसके बाद किट प्राप्त होता है। अधिकतर झगड़े इसी पंजीकरण शुल्क को लेकर होते है, खैर थैला प्राप्त कर लेने के बाद सेमिनार के डेलीगेट रोटी की और ध्यान देते हैं और वे सेमिनार के विषयों के प्रति न्याय करने के बजाय लंच, डिनर, काफी, ब्रेकफास्ट के साथ न्याय करते हैं। अधिकतर सेमिनारों के विषय घिसे-पिटे होते हैं। मगर आयोजन की भव्यता सुन्दर से सुन्दरतम होती है। उद्घाटनकर्ता मंत्री या मुख्य मंत्री या राज्यपाल होते हैं। अक्सर एक ही आयोजनकर्ता कई विषयों पर सेमिनारों का आयोजन कर लेते हैं। मार्च में पर्यावरण, और अगले किसी माह में प्रशासन में भ्रष्टाचार। ये सफल आयोजनकर्ता महंगे कार्ड छपवाते हैं। पंच सितारा सुविधाएं देते हैं और बजट का एक बड़ा हिस्सा डकार जाते हैं। एक स्थायी आयोजक को मैं जानता हूं, स्वयं सेवानिवृत्त है, एक संस्था खोले रखी है और साहित्य से लगाकर विज्ञान, स्वास्थ्य, प्रौढ़ शिक्षा, महिला-बच्चों आदि सभी विषयों पर सेमिनारों का आयोजन करते रहते हैं। सफल आयोजक हैं वे। अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों में उम्दा अंग्रेजी, सूट-बूट, टाई आवश्यक होती है। विदेश जाने का सबसे आसान रास्ता सेमिनार है। राष्ट्रीय सेमिनारों का स्तर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों से कम माना जाता है। प्रांतीय सेमिनारों में जाने वाले भी प्रांतीय ही होते हैं। आखिर सेमिनारों से क्या हासिल होता है। मैंने इस पर चिन्तन किया है और चिन्तन के परिणाम श्रीमान् की सेवा में पेश कर रहा हूं। मेरी निजी राय में सेमिनारों में सरकारी धन को पानी की तरह बहाया जाता है। उपलब्धि के रूप में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है जो पिछली रिपार्ट की नकल होती है। कभी कदा कोई मौलिक बात उभरकर आती है तो वह आयोजकों तथा सरकारी नीतियों के अनुरूप नहीं होती।सेमिनारों में महिलाओं का योगदान भी महत्त्वपूर्ण है। अक्सर आपने देखा होगा कि सेमिनारों में दीप प्रज्वलन हेतु मुख्य अतिथि को मोमबत्ती महिलाएं ही प्रस्तुत करती हैं। इसी प्रकार भोजन, रजिस्ट्रेशन, स्वागत आदि के कार्यों को भी महिलाएं सम्पन्न करती हैं। जिस प्रकार स्थायी आयोजक होते हैं, ठीक उसी प्रकार स्थायी प्रतिनिधि वहां पहुंच ही जाते हैं। एक काल्पनिक विषय पर सार संक्षेप तैयार कर आयोजन सचिव को भेजना, उससे दूरभाष पर बात करके अपना निमंत्रण मंगवाना, इधर-उधर से किराये का जुगाड़ करना और सेमिनार में पहुंच कर भोजन, आवास का आनन्द उठाना।

नारी होने का सच

❍ जब से मुक्ता गर्भवती हुई थी, घर में जैसे रौनक सी आ गई थी। घर का हर सदस्य एक आशा संजोए बैठा था। रानो अपने भतीजे के लिये अभी से स्वेटर बुनने में लग गई थी, तो नंदू अपने छोटे चचेरे भाई के लिये खिलौने इकट्ठे करने लगा था। घर की बड़ी, होने वाले बच्चे की दादी मां तो सुबह शाम ठाकुर जी को घी के दीये लगाती और कहती" ठाकुर जी आप ही बालक बनकर मेरे आँगन में पधारना" उसे क्या पता था कलियुग में अवतार होगा पर बहुत देरी से। होने वाले बच्चे के दादा आंगन में घुटने के बल चलते और कहते हाथी आया, हाथी आया, मेरा राजकुमार हाथी पर बैठेगा।जन्म लेने वाले बच्चे के पिता भी उसके जन्म को लेकर उत्साहित थे रोज नये-नये नाम सोचते, उसके भविष्य के लिये अभी से संचय करने का विचार करते। पर मुक्ता के मन में एक उहापोह की स्थिति थी। वह सोचती थी कि क्या वह इस घर को कुल दीपक देगी या दो कुलों को उज्जवल करने वाला सेतु। आशंकित थी घरवालों की प्रतिक्रियाओं को लेकर, मां के घी का दिया क्या फल देगा? हर समय चिंतित रहती थी। भला हो कानून का जो उसकी सोनोग्राफी नहीं हुई, नहीं तो उसे अपना सतीत्व साबित करने इस अग्निपरीक्षा से और गुजरना पड़ता, घरवालों के सपनों का महल पल में धराशायी हो जाता और इसमें दबकर मारी जाती वह, क्योंकि जब ख़ुदा का कहर बरसता है तो कमजोर पहले मरता है।

इन्हीं चिंताओं, आशंकाओं के बीच उसको उसका समय निकालना था , वह एक ऐसे दोराहे पर खड़ी थी जहां एक ओर तो खुशियों के अंबार थे ,बधाईयों का तांता, घर का सम्मान , दूसरी ओर लानत ठोकरें, और ऐसी घृणा जिसका ना कोई कारण था ना आधार। जिनके यहां बेटी होती है वहां तो हिजड़े भी नाचने नहीं आते। रोज उसका पति उसे कुछ नया खाने लाता, उसे एहसास होता उन चीजों में छिपी उन अपेक्षाओं का , वह उन्हें निगलती तो लगता कि नमक खाकर भी गद्दारी हुई तो परिणाम क्या होगा। उसे रामायण पढ़ने को कहा जाता इससे बच्चे में अच्छे संस्कार आयेंगे, लेकिन वह मन से वैसा नहीं कर पाती थी, क्योंकि उसे इस संसार की मूर्खता पर हंसी आती कि देखो एक मांस के लोथड़े पर भी दांव लगाये जा रहे हैं कि वो भी हमारे अनुरूप आकार ले। इंसान चाहता है खुशियां ही खुशियां ऐसा शायद कोई एकाध ही हो जो गम चाहता हो। कुन्ती इस मामले में महान थी जो उन्होंने कृष्ण से विपत्ति मांगी।

उदर बढ़ने के साथ-साथ मुक्ता की चिंतायें भी बढ़ रहीं थी वह अपने नाम के अनुरूप ऐसे मामले में भी मुक्त नहीं थी जिस पर उसका कोई वश नहीं था।

उपन्यास

डॉ.चन्द्रकुमार जैन

रेडियो से मैंने सीखी बोलने की प्रभावी कला

❒ रेडियो का नाम आते ही एक रोमांटिक सा अहसास मन पर तारी हो जाता है। रेडियो से मेरे जुड़ाव की याद मुझे बहुत दूर यानी बचपन तक ले जाती है। आज भी मुझे अच्छी तरह से याद है कि सन1984 के पहले तक,जब हमारा परिवार, जन्म स्थान डोंगरगांव में रहता था,घर पर एक विशाल-सा रेडियो था। शायद बुश बैरन का,आठ बैंड का,चिकनी लकड़ी के कैबिनेट वाला,वाल्व वाला। उस जमाने में ट्रांजिस्टर नहीं आये थे, वाल्व के रेडियो आते थे, जिन्हें चालू करने के बाद लगभग 2-3 मिनट रुकना पड़ता था वाल्व गरम होने के लिये। उन रेडियो के लिये लायसेंस भी एक जमाने में हुआ करते थे, उस रेडियो में एक एंटीना लगाना पड़ता था। वह एंटीना यानी तांबे की जालीनुमा एक बड़ी सी पट्टी होती थी जिसे कमरे के एक छोर से दूसरे छोर पर बाँधा जाता था। उस जमाने में खासकर सातवें-आठवें दशक में,इस प्रकार का रेडियो भी हरेक के यहाँ नहीं होता था और खास चीज़ माना जाता था, और जैसा साऊंड मैने उस रेडियो का सुना हुआ है, आज तक किसी रेडियो का नहीं सुना। देवकीनन्दन पांडे की आवाज का वह असर मुझ पर आज तक बाकी है, यहाँ तक कि जब उनके साहबजादे सुधीर पांडे रेडियो/फ़िल्मों/टीवी पर आने लगे तब भी मैं उनमें उनके पिता की आवाज खोजता था। देवकीनन्दन पांडे के स्पष्ट उच्चारणों का जो गहरा असर हुआ, उसी के कारण आज मैं कम से कम इतना कहने की स्थिति में हूँ कि भले ही मैं कोई बड़ा उद्घोषक नहीं, किन्तु आवाज़ से अपनी कुछ पहचान तो हासिल कर ही ली है। खैर, विभिन्न उदघोषकों और गायकों की आवाज सुनकर "कान" इतने मजबूत हो गये हैं कि अब किसी भी किस्म की उच्चारण गलती आसानी से पचती नहीं, न ही घटिया किस्म का कोई गाना, और न ही मिमियाती हुई आवाज़ में लोगों को कुछ सुनने के लिए विवश करने वालों का कोई असर होता है। उस समय तक घर में मरफ़ी का एक टू-इन-वन ट्रांजिस्टर भी आ चुका था जिसमें काफ़ी झंझटें थी, कैसेट लगाओ, उसे बार-बार पलटो, उसका हेड बीच-बीच में साफ़ करते रहो ताकि आवाज अच्छी मिले, इसलिये मुझे आज भी ट्रांजिस्टर ही पसन्द है। हमारे घर की सुबह आज भी आकाशवाणी के कार्यक्रमों को सुनकर होती है। इसके आकर्षण ने ही मुझे चिंतन के सैकड़ों आलेख लिखने की प्रेरणा भी दी।मैं समझता हूँ कि मेरी उम्र के उस समय के लोगों में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं होगा जिसने रेडियो सीलोन से प्रसारित होने वाला बिनाका गीतमाला और अमीन सायानी की जादुई आवाज न सुनी होगी.

अच्छे लोगों को हमेशा खुश रखें

❍ जमाना अब बदल चुका है। सभी लोगों को खुश नहीं रखा जा सकता। किसी के लिए चाहे कुछ भी कर लो, कितना ही त्याग कर लो, मर मिटने को तैयार हो जाओ, लेकिन वह हमेशा हमसे खुश रहेगा ही इसकी कहीं कोई गारंटी नहीं। पहले इंसान दूसरे की सद्भावना, सहकार और उपकार के प्रति कृतज्ञ हुआ करता था। इस उपकार के प्रति आभार जताने के साथ ही यह भावना भी गहरे तक जमी हुई थी कि जिस किसी ने कुछ किया हो उसका अहसान जिन्दगी भर भूले नहीं और जब कभी कोई मौका मिले, हम अपनी ओर से सहयोग करें। उस जमाने में अपने प्रति की गई सेवा या उपकार बहुत बड़ा ऋण माना जाता था जिसके प्रति इंसान अपने को ऋणी महसूस करता था और ऋण चुकाने के लिए उद्यत रहता था। उसका कारण यह था कि उन लोगों में अपनी संस्कृति, वंश परंपरा और इतिहास का ज्ञान था जिससे प्रेरणा पाकर वे आगे बढ़ने और मानवीय मूल्यों की रक्षा में हमेशा आगे ही आगे रहा करते थे। अच्छे लोगों का प्रतिशत ज्यादा था इसलिए बुरे और नालायक लोग हाशिये पर हुआ करते थे। थोड़े-बहुत नुगरे हर कहीं हुआ करते थे लेकिन उन्हें समाज की ओर से न प्रश्रय मिलता था, न किसी प्रकार का कोई प्रोत्साहन या मदद। बल्कि ऐसे लोगों को जहाँ मौका मिलता था वहाँ सार्वजनिक तौर पर हतोत्साहित और प्रताड़ित किया जाता था। बुरे लोगों और बुरे कर्मों को हमेशा हेय दृष्टि से देखा जाता था।यह वह समय था जब सज्जनों को समाज का संरक्षण था और हर तरह से प्रोत्साहन, संबल और सहयोग भी प्राप्त होता रहता था। और वह भी पूरी उदारता के साथ। समाज को यह अच्छी तरह पता होता था कि कौन इंसान समाज और देश के लिए उपयोगी है और कौन घातक।

इस सुस्पष्ट पहचान के साथ ही सभी सामाजिकों में यह साहस था कि वे अच्छे लोगों को सहयोग करने में कभी पीछे नहीं रहते। सज्जनों और उपयोगी लोगों के संरक्षण में पूरा समाज जुट जाया करता था। आज स्थितियां बिल्कुल उलट गई हैं। अब सज्जनों और अच्छे लोगों के लिए न कोई बोलने वाला है, न सुनने या संरक्षण देने वाला। अच्छे लोग अब हाशिये पर हैं और दुर्जनों का बोलबाला हो रहा है।हालात सब तरफ विपरीत, आत्मघाती, समाजघाती, राष्ट्रभक्षी और भयावह हैं। ईमानदार और सज्जन लोग अपने-अपने रास्ते अकेले चल रहे हैं और बुरे लोग ताकतवर संगठन के रूप में छापामार प्रणाली के साथ जी रहे हैं। किसी सज्जन या अच्छाई के पक्ष में कोई नहीं आता जबकि दुर्जनों के लिए इतने सारे लोग जुट जाते हैं कि सभी को आश्चर्य होता है। एक ईमानदार और नेक इंसान दूसरे ईमानदार के काम नहीं आ सकता लेकिन एक बुरा आदमी दूसरे सैकड़ों-हजारों बुरे लोगों के लिए काम आता है और इसके लिए गर्व भी महसूस करता है। इन तमाम स्थितियों के बीच सामाजिक दुरावस्था का दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि कोई खुश नहीं है किसी से। लोग किश्तों-किश्तों में खुश होते हैं और फिर जैसे थे वैसे ही।

कोई काम सध जाता है तो आदमी खुश हो जाता है, न सध पाए तो अधमरा पड़ा रहेगा या कि किसी शराबी की तरह यहाँ-वहाँ भटकता रहकर चिल्लपों मचाएगा, बकवास करता फिरेगा, औरों को गालियाँ बकता रहेगा और अपनी आवारगी से धमाल मचाता रहेगा।हर तरफ अच्छों और बुरों की भरमार है। हालांकि सज्जनों का प्रतिशत अब काफी कम रह गया है। सब तरह के लोग अपने यहाँ हैं। कई सारे ऐसे बुरे और मनहूस लोग भी हैं जिनकी मौजूदगी ही किसी भी परिसर में नकारात्मकता का माहौल पैदा कर दिए जाने के लिए काफी है। फिर सवेरे-सवेरे इन लोगों के अनचाहे दर्शन हो जाएं तो उस दिन का भगवान ही मालिक होता है।

कथा

प्रभुदयाल श्रीवास्तव

आख़िर क्यों

❍ शादी के मौके पर छप्पन भोग पकवान बना हुआ था। एक तरफ स्टाल पर नाश्ते के लिए करीने से फुचका, आलू की टिकिया, चाट, दोसे, चाऊमिन और फ्रेंच फ्राई रखा हुआ था। दूसरी तरफ डिनर के लिए चार तरह की रोटियां मिस्सी रोटी, रुमाली रोटी, नान तथा तन्दूरी रोटी स्टाल पर रखा हुआ था। तीसरी तरफ सलाद के स्टाल थे जिसमें फ्रूट सलाद, खीरे का सलाद, बड़ी-बड़ी प्लेटो में सजे हुए थे तथा साथ में अचार की बहुत सारी किस्में भी। एक दूसरी तरफ एक लम्बे से स्टाल पर स्पीरिट लैंप जल रहे थे, उन पर सोने जैसे मध्यम आकार की हँडिया रखी हुई थी। उन बरतनों में बासमती चावल, राजमा, दही बड़े, दाल फ्राई, फूल गोभी कोरमा, मिक्स सब्जी, पनीर और मशरूम की सब्जी तथा बड़े से तवे पर भरवाँ बैंगन, परवल, शिमला मिर्च, भिण्ड़ी, करेला, रखा हुआ था। एक दूसरी तरफ मिठाईयों के स्टाल लगे हुए थे। जैसे रबड़ी-मलाई, इमरती, गाजर के हलवे, रसगुल्ले और गुलाब जामुन। और एक तरफ आईसक्रिम, कुल्फी-मलाई रखे हुए थे। कोने में क्राकरी तथा मिनरल वाटर रखे हुए थे।बड़े से लान में निली मध्दिम रोशनी में सारे स्टाल मनोरम लग रहे थे। शाम को नौ बजे द्वार पूजा का कार्यक्रम हुआ। बारातियों का स्वागत फूल माला के साथ हुआ। सभी बाराती बड़े से हाल में प्रवेश किये। वहाँ पहले से ही जयमाला का प्रबंध किया गया था। करीब शाम के नौ बजकर तीस मिनट होने के थे। इधर जयमाला का कार्यक्रम आरंम्भ हुआ और उधर खाने का भी प्रोगाम एक साथ चालू हुआ। बाराती, घराती, तथा आमंत्रित मेहमान सभी कोई बड़े से लान की ओर दौड़े।

राहुल बाराती की तरफ से निमंत्रित था। कुछ लोगों ने कहा कि आप खाना खा लीजिए। राहुल भी खाना खाने के लिए लान की तरफ गया। राहुल ने देखा कि अधिकतर लोग खाने की प्लेट लेकर खाना लेने के प्रयास में धक्का-मुक्की कर रहे थे। कुछ लोग खाने का छक-कर आनंद ले रहे थे। अनेक लोग प्लेट में अधिक खाना लेकर कम खा रहे थे और बर्बाद ज्यादा कर रहे थे। कुछ अच्छे भी थे जो खाने को बर्बाद बिल्कुल नहीं कर रहे थे। अधिकतर बच्चों की प्लेटों में लजीज व्यंजन छूट गये थे। राहुल ने भी खाने का आनंद लिया। राहुल के दिल में एक टीस हो रही थी बर्बाद खाने को देखकर। राहुल सोच रहा था कि कितना मेहनत से किसान अनाज पैदा करता है, चाहे जो मौसम हो दिन-रात खेतों में लगा रहता है बस यही अनाज के लिए, लगता था कि जो लोग खाना बर्बाद कर रहे थे उनको किसान का मेहनत का अंदाजा भी न होगा और ये भी जेहन में न होगा कि मौसम की मार से कितने किसान आत्म हत्या कर लेते है। किसान की बदौलत हमारा पेट भर रहा है। आपके पास कितने भी पैसे हो पर उससे पेट तो नहीं भर सकते, अनाज के प्रति सम्मान होना चाहिए।

राहुल को कुछ व्यकिगत काम था इसलिए वह विदा लेकर रात में ही लखनऊ स्टेशन की ओर रवाना हो गया। लखनऊ स्टेशन पहुँचा तो रात के एक बजने को थे। स्टेशन पर बहुत ही भीड़-भाड़ था। राहुल को लखनऊ से इलाहाबाद जाना था। सोचा पैसेंजर ट्रेन पकड़ लूँगा तो सुबह तक इलाहाबाद पहुँच ही जाऊँगा। बरेली-इलाहाबाद पैसेंजर को आने में आधे घण्टे की देरी थी। राहुल एक खाली बैंच पर बैठ गया। बगल में खाने के स्टाल, चाय के स्टाल तथा कुछ खिलौने के स्टाल थे।अभी कुछ मिनट बीते होंगे, राहुल ने देखा एक बूढ़ी महिला पास पड़े डस्टबिन में कुछ ढूँढ रही है। वह महिला प्रसन्न मुद्रा में डस्टबिन से हाथ निकाली जैसे कोई सोना मिल गया हो। उसके हाथ में बासी ब्रेड़ के कुछ टुकड़े थे।

शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग (सेक्स समस्या) पर सफल इलाज

सीताबर्डी टेम्पल बाजार स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग एवं सेक्स संबंधित सभी समस्याओं पर प्रभावकारी एवं सफल इलाज किया जाता है। रोज की जिंदगी में यौन समस्याएं जैसे शीघ्रपतन बांझपन इत्यादि, के कारण सामाजिक एवं वैवाहिक जीवन में अनेक समस्याओं का सामना करना तथा वैवाहिक कलह, मनमुटाव आदी का भी सामना करना पडता है। अतः इन समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। रोज की भागदौड़ के जीवन में टेंशन, अनिद्रा इनक्षकारणों तथा खानपान में पोषक तत्वों के अभाव या असमय खाना पीना इन कारणों से यह समस्या उत्पन्न होती है। इसका इलाज समोपचार औषधी चिकित्सा से संभव है। महाशक्ति कवच, रे-टोन सिरप, कप नाईट पावर इन दवाओं से इन समस्याओं का समाधान आयुर्वेदिक एजेंसी सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड नागपुर में सफलतापूर्वक किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए 9112079000 / 8605245080 फोन पर संपर्क करे और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान पाकर खुशहाल जीवन व्यतीत करे.

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में 9112079000 / 8605245080 इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

सादगी और सिद्धांत की प्रतिमूर्ति हमेशा के लिए खो गई : विधायक जोरग़ेवार

चंद्रपुर।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं अनुकरणीय नेतृत्व के प्रतीक डॉ. मनमोहन सिंह की दुखद निधन से देश ने एक महान व्यक्तित्व खो दिया है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक किशोर जोरग़ेवार ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि उनका निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है और सादगी और सिद्धांत का प्रतिष्ठित प्रतीक हमेशा के लिए खो गया है.

शोक व्यक्त करते हुए जोरग़ेवार ने कहा कि डॉ . मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री, शांत और उदारवादी नेता थे। उनके कार्यकाल के दौरान भारत ने आर्थिक सुधार, औद्योगिक विकास और वैश्विक पहचान हासिल की। उन्होंने वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों पर उल्लेखनीय कार्य किया। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी सेवा को देशवासी सदैव याद रखेंगे।

उनकी सादगी , ईमानदारी और भावुक समाज सेवा आज की पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। उनके निधन से भारतीय राजनीति ने एक शांत , उदारवादी और विद्वान नेता खो दिया है । इस दुखद अवसर पर उनके परिवार के प्रति हमारी संवेदनाएँ. अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि वह मां महाकाली के चरणों में प्रार्थना कर रहे हैं कि उनकी आत्मा को शांति मिले .

बाघ के हमले में चरवाहा घायल

सावली.

सावली वन क्षेत्र के वीरखल चक में बाघ के हमले में एक चरवाहे की मौत की घटना गुरुवार 26 तारीख दोपहर के समय घटित हुई. घायल व्यक्ति की पहचान खुशाल ऋषि दुधे (46) के रूप में हुई है और वह दाबगांव का निवासी है. घायल व्यक्ति को गढ़चिरौली के जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

हमेशा की तरह खुशाल मवेशी चराने गया था.जब मवेशी वीरखल चक में चरागाह में चर रहे थे, तो एक धारीदार बाघ ने अचानक खुशाल पर हमला कर दिया, जो वहां घात लगाए बैठा था. बाघ ने उसकी गर्दन और छाती पर पंजे मारकर उसे घायल कर दिया. उसने तुरन्त खुद को बाघ के चंगुल से छुड़ाया और अपनी जान बचाकर गांव की ओर भागा. इसकी सूचना वन विभाग को दी गई. वन विभाग के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और पंचनामा तैयार किया.

सावली वन क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ रही है, तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़ रहा है. चूंकि इस क्षेत्र में कई किसानों के खेत जंगलों के निकट हैं, इसलिए बाघों के खतरे के कारण कृषि गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। इसलिए मवेशियों के चरने का मुद्दा सामने आया है। इसलिए, छायादार वन क्षेत्र में बाघों के स्थानांतरण की मांग बढ़ रही है.

देवाड़ा में खेत के कुएं में गिरा तेंदुआ

> काफी प्रयास के बाद वन विभाग ने तेंदुए की जान बचाई

सिंदेवाही.

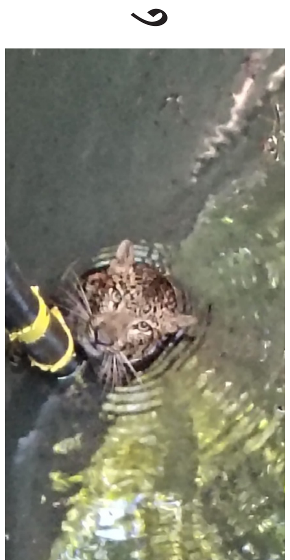

ब्रम्हपुरी वनमंडल के सिंदेवाही वनक्षेत्र के उपक्षेत्र नवरगांव, नियतक्षेत्र नाचनभट्टी अंतर्गत आनेवाले मौजा देवाडा खेत में कंपार्टमेंट क्रमांक 134 में कुए में मादा तेंदुआ गिर गई. यह घटना गुरूवार 26 दिसम्बर की सुबह सामने आयी. इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग ने बचाव अभियान चलाकर काफी मशक्कत के पश्चात मादा तेंदुए को कुएं से बाहर निकाला.

नाचनभट्टी के तहत आनेवाले मौजा देवाडा के रामाला निवासी विठोबा मारोती उईके का मौजा देवाडा के खेत गुट क्रमांक 134 में कुए में मादा तेंदुआ गिर गई. इसकी सूचना गुरूवार की सूबह ज्ञात होने पर सिंदेवाही प्रादेशिक वनपरिक्षेत्र अधिकारी के अधिनस्त आनेवाले कर्मचारी एवं रैपिड रिस्पांस टिम सिंदेवाही के साथ घटनास्थल पहुची. इस बीच घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई. तदनुसार, सिंदेवाही वन क्षेत्र कर्मचारी और आरआरयू टिम सिंदेवाही ने मादा तेंदुए को कुएं से बाहर निकालने के लिए कई बार प्रयास किए. लेकिन बार बार वह निचे गिरती जा रही थी. उसके पश्चात और निकालने के प्रयास के पश्चात 30 फिट गहराई में गिरी मादा तेंदुआ को निकालने में वनविभाग और आरआरयु टिम को सफलता मिली और उसे कुएं से बाहर निकाला गया. देवाडा गांव के लोगों ने तेंदुआ को निकालने के बाद देखने के लिए लोग एकत्रित हो गए थे.

रेस्क्यू करते समय सिंदेवाही वन परिक्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारी विशाल सालकर, नवरगांव के क्षेत्र सहायक एस. बी. उसेंडी, वनपाल के.डी. मसराम, वाई. एम. चौके, वनरक्षक एन. डी. शहारे, विकास येरमे, विनोद चिकराम, निखिल राठौड़, संतोष पेंदाम, गोकुलदास राठौड़, हेमराज सोरते, रुषिकेश जावड़े, विवेक फुलझेले, रवि नारभते, कमलाकर बोरकुंडवार और वाहन चालक ने सहयोग किया.

उक्त कार्यवाही करते हुए सिंदेवाही थाने के पुलिस उपनिरिक्षक सागर महल्ले और उनके कर्मचारीयों ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने का कार्य किया. बंदी बनाए तेंदुए(मादा) की चिकित्सा अधिकारी द्वारा जांच की गई. वह चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ और मजबूत है. तथा उसे जंगल में छोड़ दिया जाएगा ऐसी जानकारी वनविभाग अधिकारीयों ने दी.

देशी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

> राजुरा पुलिस की कार्रवाई

राजुरा.

राजुरा थाना की पुलिस टीम ने नियमित गश्ती के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर सास्ती गांव क्षेत्र के रामनगर इलाके से एक आरोपी को हिरासत में लेकर तलाशी ली और आरोपी लवकुश निषाद के पास से एक देशी कट्टा और एक कारतूस जब्त किया. उम्र 22 वर्ष निवासी भगत सिंह वार्ड बल्हारशाह का नाम है

रामनगर सस्ती इलाके में मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि कुछ युवक हथियार लेकर आ रहे हैं, सूचना मिलने पर पुलिस ने दोपहिया वाहन पर सवार दो युवकों को मौके पर रोका तो उन्होंने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की. पुलिस ने पीछा किया तो दोपहिया वाहन पर सवार एक आरोपी भाग गया और एक को पकड़ लिया गया, जिसके पास से एक कारतूस भी मिला और इस बार पकड़े गए आरोपी के साथ लवकुश उर्फ दू उमेश निषाद भी था. धर्मा निषाद ने कहा कि बल्हारशाह ने कहा कि मोका पंचनामा के बाद गिरफ्तार आरोपी को राजुरा पुलिस स्टेशन लाया गया और भारतीय हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

यह कार्रवाई उपविभागीय पुलिस अधिकारी दीपक साखरे, पुलिस निरीक्षक योगेश्वर पारधी, सहायक पुलिस निरीक्षक हेमंत पवार, पुलिस उपनिरीक्षक पांडुरंग हाकेनायक, पुलिस अधिकारी संदीप बुरडकर, बालाजी यमलवाड, बंडू राठौड़, रामा बिंगेवाड, आकाश पीपरे के मार्गदर्शन में की गई.

तहसील कार्यालय के पास खेत में घुसा भालू

भद्रावती. काफी भीडभाड वाले भद्रावती तहसील कार्यालय के पास घनी झाडीयों के मैदान में गुरूवार 26 दिसम्बर की रात सव्वा दो बजे के बाद एक पूर्ण विकसित भालू घुस जाने से काफी हलचल मच गई. भालू को खोजने और बचाने के लिए वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंच गई है और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है. भाजयुमो के इमरान खान जब अपने दोस्तों को घर छोड़ने के लिए अपने चौपहीया वाहन से शहर के सुमठाना इलाके के की ओर जा रहे थे. तभी रात सव्वा दो बजे के दौरान पास के आर्डनन्स फैक्ट्री की सुरक्षा दीवार से हाईवे पार करते देखा. उसके पश्चात भद्रावती तहसील कार्यालय के पास घनी झाडीवाले मैदान में घुस गया.

वाहन को छूने पर 8 साल के बच्चे की अमानवीय पिटाई

> पूर्व प्राचार्य, उनकी पत्नी और बेटे का निंदनीय कारनामा

चंद्रपुर।

भिसी में एक पूर्व प्राचार्य, उसकी पत्नी और 25 साल के बेटे ने एक 8 साल के बच्चे को घीसटते हुए अपने मकान में ले जाकर उसे लात घुसो से बुरी तरह से पीट डाला. बच्चे की इतनी खता थी कि उसने उनके वाहन को छू लिया था. यह घटना बुधवार 25 दिसंबर को सुबह 10 बजे हुई. बच्चे के माता पिता ने आरोपियों पर मामला दर्ज करने की मांग की है.

भिसी पुलिस थाने में दर्ज पीडित बच्चे की मां की शिकायत के अनुसार बच्चे को इतना पीटा गया कि उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिसी में भरती किया गया. डॉक्टर की मेडिकल रिपोर्ट के बाद भी आरोपियों पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की जा रही है. इसलिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मामले की निष्पक्ष जांच कर बच्चे को पीटनेवाले आरोपियों पर बाल अत्याचार प्रतिबंधक कानून के तहत गिरफ्तार करें.

पत्र परिषद लेकर पीडित बच्चे मंथन शंकर रामटेके की मां सूर्यकांता, पिता शंकर रामटेके, पूर्व सरपंच विश्रांति रामटेके, सेवक रामटेके, विलास रामटेके, कवडू वासनिक, शामराव रामटेके ने इस मामले की जानकारी दी.

उनके अनुसार सुबह के समय भिसी निवासी 8 वर्षीय बालक मंथन शंकर रामटेके अपने घर की ओर आ रहा था. उसने पूर्व प्राचार्य सुधाकर गोहणे की कार को हाथ लगा लिया. इस पर सुधाकर गोहणे, उसकी पत्नी कांचन गोहणे, पुत्र मयूर गोहणे ने उसे पकड लिया और उसे घिसटते हुए घर के दूसरे माले पर ले जाकर उसे पीटा जिससे उसका एक गाल सूज गया.

इसकी शिकायत सूर्यकांता शंकर रामटेके ने भिसी पुलिस में की तो बच्चे को प्राथमिक स्वाथ्स्य केन्द्र भिसी में भरती किया और डॉक्टर के मेडिकल रिपोर्ट पर पुलिसने पीडित बच्चे के मां को एन.सी अदखलपात्र मामला दर्ज कर न्यायालय से गुहार लगाने का सुझाव दिया.

बच्चे के माता पिता का कहना है कि आरोपियों ने उनके बच्चे को अमानवीय तरीके से पीटा है इसलिए आरोपियों पर बाल अत्याचार प्रतिबंधक कानून के तहत मामला दर्ज कर उन पर कार्रवाई की जाए.

निशांत फुलेकर, प्रभारी थानेदार, भिसी ने जानकारी देते हुए कहा कि, बच्चे के साथ मारपीट की शिकायत आयी है. मारपीट की निष्पक्ष जांच की जाएगी. दोषी आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा. उक्त मामले में दोषियों पर उचित कानूनी अपराध दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी.

वीर बाल दिवस समारोह

> सत्य, धर्म और न्याय-युद्ध की प्रेरणा देता रहेगा.

> खालसा कॉन्वेंट में वीर बाल दिवस समारोह का आयोजन

चंद्रपुर.

गुरु गोबिंदसिंहजी के पुत्रों द्वारा दिखाए गए शौर्य और बलिदान को याद करना आज हमें प्रेरणा देता है। आज का दिन सिर्फ एक स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि बच्चों को न्याय के लिए लड़ने के लिए मूल्यों, बहादुरी , बलिदान और ऊर्जा से प्रेरित करने का दिन है। विधायक किशोर जोरग़ेवार ने कहा कि, आज का वीर बाल दिवस हमें हमेशा सत्य, धर्म और न्याय के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरुवार को खालसा कॉन्वेंट में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वह इसी मौके पर बोल रहे थे. मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में लाडी बसेसा , भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष संदीप आगलावे , प्रधानाध्यापिका सिमरन साहानी , अमनप्रति गौरा , विश्वजीत शाहा आदि उपस्थित थे.

इस समय आगे की बात करते हुए जोरग़ेवार ने कहा कि आज के कार्यक्रम के माध्यम से हम अपनी अगली पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराने का प्रयास कर रहे हैं. बच्चों और युवाओं को इस प्रेरक इतिहास से सीख लेनी चाहिए , अपनी संस्कृति , परंपराओं और आदर्शों को संरक्षित करना चाहिए। आइये इस घटना से एकता का संदेश लेकर आगे बढ़ें। हम सभी को अपने समाज के मूल्यों को बनाए रखने के लिए सहयोग करना चाहिए। विधायक किशोर जोरग़ेवार ने कहा कि आज की पीढ़ी को अपने देश , समाज और न्याय के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए.

इस दिन हम उन महान बालवीरों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने अपनी बहादुरी और बलिदान से इतिहास रचा । छोटी उम्र में भी बड़ी कठिनाइयों का सामना करने वाले वीर बच्चों ने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। गुरु गोबिंद सिंह के पुत्र साहिबजादे का बलिदान , धर्म के लिए यह त्याग और बलिदान आज भी हमें प्रेरणा देता है। उनकी वीरता ने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए एक मिसाल कायम की है।

हमारी नई पीढ़ी देश का उज्ज्वल भविष्य है। उन्हें उचित शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा का महत्व सिखाना हमारी जिम्मेदारी है। वीर बाल दिवस के अवसर पर विधायक किशोर जोरग़ेवार ने अपील की कि हमें अपने बच्चों में देशभक्ति, स्वाभिमान और आदर्श नागरिक होने का दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

राणा दग्गुबाती और दुलकर सलमान की मजेदार दोस्ती की झलक

प्राइम वीडियो का 'द राणा दग्गुबाती शो' हर एपिसोड के साथ दर्शकों को भारतीय सिनेमा के बड़े सितारों की जिंदगी की झलकियां दिखाकर उनका दिल जीत रहा है। दिल को छू लेने वाली बातचीत, मजेदार मस्ती, और पर्दे के पीछे की कहानियों के अनोखे मिश्रण के लिए मशहूर यह शो हर हफ्ते नए अंदाज में लौटता है। इस बार के एपिसोड में होस्ट राणा दग्गुबाती के साथ नजर आए करिश्माई दुलकर सलमान और बेहद प्रतिभाशाली मीनाक्षी चौधरी। इस एपिसोड में दिल छू लेने वाले पल, हंसी-मजाक और कई दिलचस्प किस्से साझा किए गए।

खुलकर बातचीत के दौरान,दुलकर ने राणा से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि जब मैं नौवीं कक्षा में था, तब तुम शायद आठवीं में रहे होगे। इस पर राणा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि नहीं, मैं दो साल फेल हो गया होता, मैं शायद छठवीं में था!" एपिसोड के दौरान दोनों की पुरानी दोस्ती का अनोखा तालमेल नजर आता है। दुलकर ने यह भी बताया कि जब राणा दग्गुबाती 'वीराटा पर्वम' की शूटिंग के दौरान कोच्चि उनके घर गए थे, तो उनकी मां से मुलाकात हुई थी।

दुलकर ने कहा कि यह पहली बार था जब वह हमारे घर आए और मेरी मां से मिले। मेरी मां को वह बहुत पसंद आए! राणा ने खूब खाया, और मेरी मां को ऐसे बच्चे बहुत पसंद हैं, जो अच्छे से खाते हैं। उनका तुरंत कनेक्शन बन गया। बातचीत उनके करियर विकल्पों की तरफ मुड़ी, जहां दुलकर ने राणा की पहली फिल्म 'लीडर' की तारीफ करते हुए कहा कि पहली फिल्म के लिए यह एक बहादुर और अनोखा चयन था।

उन्होंने आगे कहा कि मैं हमेशा से प्रशंसा करता हूं कि राणा स्टारडम के पीछे नहीं भागते, बल्कि दिलचस्प कहानियों और यादगार किरदारों की तलाश करते हैं। जवाब में राणा दग्गुबाती ने दुलकर की बहुमुखी प्रतिभा और अलग-अलग किरदार चुनने की क्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुलकर ने जब से अपने करियर की शुरुआत की, मुझे पता था कि वह कुछ खास करेंगे। उनके कहानी कहने का तरीका और उनके निभाए किरदारों ने तेलुगु सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी है।

2025 के बॉक्स-ऑफिस ब्रेकर

जो बदल देंगे इंडियन सिनेमा की दिशा

2025 इंडियन सिनेमा के लिए एक खास साल होने वाला है, क्योंकि इस साल बहुत सी शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं जो पूरी दुनिया के दर्शकों को अपनी तरफ खींचने वाली हैं। इन फिल्मों में से कुछ सीक्वल्स हैं, तो कुछ नई और अनोखी कहानियाँ हैं, जो कहानी कहने के तरीके को बदलकर इंडियन फिल्म्स की ग्लोबल चमक को और मजबूत करेंगी। नए साल के करीब आते हुए, डालें इन मच अवेटेड टाइटल्स पर एक नजर।कंतारा की सफलता के बाद अब इसका प्रीक्वल दर्शकों के लिए और भी रोमांचक होने वाला है, जिसमें फैंटेसी और लोककथाओं का मिश्रण होगा। ऋषभ शेट्टी द्वारा डायरेक्टेड यह फिल्म एक शानदार विजुअल और इमोशनल अनुभव देने वाली होगी। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने वाली है।रोशन एंड्रयूज लेकर आ रहे हैं एक शानदार थ्रिलर 'देवा', जिसमें शाहिद कपूर एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में बोल्ड और रिबेलियस अंदाज में नजर आएंगे। पूजा हेगड़े इस फिल्म में लीडिंग लेडी के रूप में हैं, और यह फिल्म दर्शकों को एक इंटेंस सिनेमेटिक एक्सपीरियंस देने का वादा करती है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के तहत वॉर 2 का धमाकेदार ऐलान हुआ है, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की जोड़ी नजर आएगी। इस एक्शन-पैक्ड सीक्वल को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है, और कियारा आडवाणी भी फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को यानी इंडिपेंडेंस डे पर रिलीज होगी।

32 फ्लॉप देने वाले एक्टर की बेटी

नए 'प्रेम' आयुष्मान खुराना की कौन बनेंगी प्रेमिका?

सूरज बड़जात्या और सलमान खान की फिल्मों ने जनता को खूब हंसाया और रुलाया है. प्रेम बनकर कई बार बड़े पर्दे पर धमाल मचाया. अब सूरज बड़जात्या ने अपना नया प्रेम ढूंढ लिया है, जो आयुष्मान खुराना बताए जा रहे हैं. इधर उनकी फिल्म में एंट्री हुई, दूसरी ओर रिपोर्ट आ गई कि उनके अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी. पर नई रिपोर्ट के मुताबिक, अबतक कुछ भी फाइनल नहीं है. उससे भी बड़ा खतरा तृप्ति डिमरी के लिए सामने आ गया है.

हाल ही में मिड डे की एक रिपोर्ट सामने आई है. इससे पता लगा कि आयुष्मान खुराना के अपोजिट तृप्ति डिमरी के अलावा जिस नाम पर चर्चा चल रही है. वो हैं- सारा अली खान. दरअसल सूरज बड़जात्या के लिए फिलहाल दोनों टॉप च्वाइस है.

इस रिपोर्ट में लिखा गया है कि, सूरज बड़जात्या हर एक प्वाइंट पर सोच-विचार कर रहे हैं. जहां सारा अली खान का अंदाज और तरीका उस रोल के लिए परफेक्ट है. तो वहीं तृप्ति डिमरी ने 'कला' और 'बुलबुल' में इतना दमदार परफॉर्म किया था, कि बड़जात्या एकदम इम्प्रेस्ड हैं. यूं तो आयुष्मान खुराना और सारा अली खान पहले भी साथ में काम कर चुके हैं. हालांकि, अगर आयुष्मान खुराना के साथ तृप्ति को फाइनल किया जाता है, तो यह नई जोड़ी होगी.

फिलहाल सूरज बड़जात्या किसी भी जल्दबाजी के मूड में नहीं हैं. वो तृप्ति डिमरी और सारा अली खान के साथ जनवरी, 2025 में एक मीटिंग करेंगे. जहां दोनों का लुक टेस्ट होगा. इसके बाद ही एक एक्ट्रेस को आयुष्मान खुराना के अपोजिट फाइनल किया जाएगा. दरअसल आयुष्मान खुराना की कास्टिंग के पीछे फैमिली ऑडियंस वजह है. वो ऐसे प्रेम को अपनी फिल्म में लेना चाहते थे, जिसकी इमेज थोड़ी फैमिली वाली हो. इसके बाद कंफर्म किया. फिल्म साल 2025 की गर्मियों में फ्लोर पर आएगी.

बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, सैफ अली खान ने अबतक अपने करियर में 32 फ्लॉप फिल्में दी हैं. आखिरी बार जूनियर एनटीआर की देवरा में दिखे थे. उन्होंने विलन का किरदार निभाया था, जो काफी पसंद किया गया था. अब सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान तृप्ति डिमरी के लिए खतरा बन रही हैं. हालांकि, तृप्ति डिमरी के पास इस वक्त काम की कोई कमी नहीं है. उनके पास एक से बड़े एक प्रोजेक्ट्स हैं. इस साल तीन फिल्मों में नजर आईं थी. पर कुछ खास धमाल नहीं मचा पाई. देखना होगा आखिर में किसे फाइनल किया जाता है.

सुसाइड या मर्डर!

क्या है आरजे सिमरन सिंह की मौत का सच

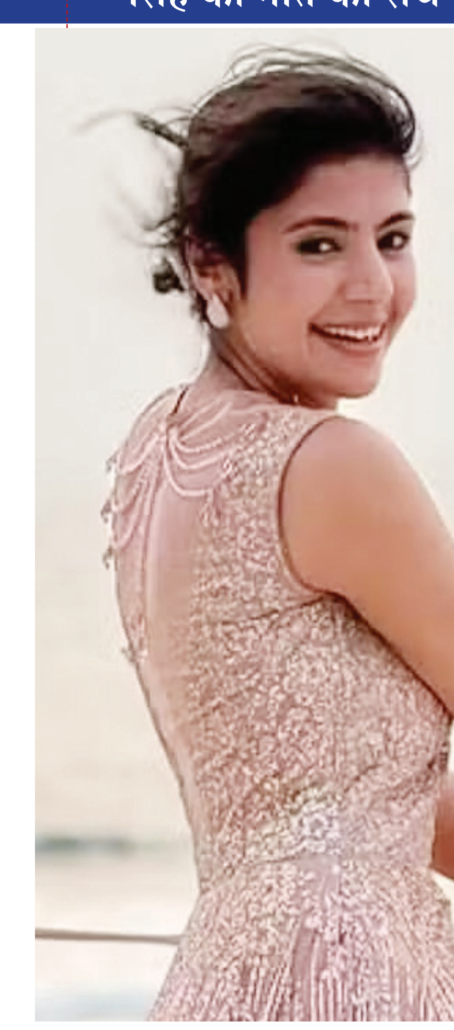

सिमरन सिंह के फैंस के मन में अब एक ही सवाल है उनकी मौत सुसाइड है या मर्डर। हालांकि इसका जवाब मिल पाना इतना आसान नहीं लग रहा। क्योंकि पुलिस ने प्रथम दृष्टया इस मामले को आत्महत्या बताया है। पुलिस के मुताबिक वह अभी मौत की वजह का पता लग रहे हैं। लेकिन शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या का मामला ही माना जा रहा है। पुलिस सिमरन सिंह के दोस्तों से पूछताछ कर रही है। सिमरन के फोन की भी जांच की जा रही है। सिमरन जम्मू कश्मीर की रहने वाली थी। लेकिन गुरुग्राम के सेक्टर 47 के कोठी नंबर 58 में अपने दोस्तों के साथ किराए पर रह रही थी। 25 दिसंबर की रात उसका शव पंखे से लटका मिला था।

बुधवार की रात उसके साथ रहने वाले एक दोस्त ने पुलिस को यह सूचना दी कि सिमरन ने खुद को घर में बंद कर लिया है और दरवाजा नहीं खोल रही है। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो वह पंखे से लटकती हुई नजर आई। पुलिस ने शव को मोर्चरी भेज दिया और फिलहाल फाइनल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद सिमरन सिंह के शव को उसके परिवार को दे दिया गया था।

सिमरन जिस तरह से जिंदादिली वाले वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती थी, उनके फैंस को यह विश्वास नहीं हो रहा है कि उसने इस तरह का कदम उठाया होगा। इतनी स्ट्रांग और कॉन्फिडेंट, यंग और कामयाब लड़की अचानक से बिना कुछ कहे या बिना नोट छोड़ें इस तरह का कदम नहीं उठाई सकती। ऐसे में लोगों को लग रहा है कि यह सुसाइड नहीं बल्कि मर्डर है। हालांकि पुलिस अभी इस मामले में आगे की जांच कर रही है। ऐसे में आने वाले वक्त में मौत की असली वजह का पता चल सकता है। तब तक फैंस को जांच का इंतजार करना होगा।

अलीबाग के फार्महाउस पर सुहाना मनाएंगी न्यू ईयर का जश्न

सुहाना खान और अगस्त्य नंदा के रिलेशनशिप की खबर हमेशा सुर्खियों में रहती है। हालांकि इन दोनों ने कभी भी अपने रिलेशनशिप को सार्वजनिक नहीं किया है। सुहाना खान और अगस्त्य नंदा एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। दोनों शाहरुख खान के अलीबाग वाले फार्म हाउस पर जाते हुए नजर आए हैं। इसके बाद रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि सुहाना अगस्त्य नंदा के साथ अलीबाग के फार्म हाउस पर ही नए साल का जश्न मनाएंगी।शाहरुख खान के अलीबाग वाले फार्म हाउस की अगर बात करें तो यह 20 हजार स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में मौजूद अलीबाग पहाड़ियों के लिए पहचाना जाता है। शाहरुख खान का यह फार्म हाउस पहाड़ों के बीच मौजूद है। इस फार्म हाउस में स्विमिंग पूल और आसपास हरियाली मौजूद है। इतना ही नहीं फार्म हाउस के अंदर उच्च तकनीक वाली लग्जरी सुविधाएं भी मौजूद है। ऐसे में यह अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि सुहाना खान और अगस्त्य नंदा यह दोनों अपने नए साल को यादगार बनाने वहां पहुंच रहे हैं।सुहाना खान और अगस्त्य नंदा को 26 दिसंबर को गेटवे ऑफ इंडिया के पास देखा गया, जहां से दोनों बोट के जरिए अलीबाग के लिए रवाना हुए। सुहाना खान का जो वीडियो सामने आया है, उसमें उन्हें अगस्त्य नंदा के साथ अलीबाग के फार्म हाउस पर जाते देखा जा सकता है। वीडियो में आप देख सकते हैं, सुहाना खान ने सफेद टॉप और शर्ट पहना हुआ है और ब्राउन ट्राउजर के साथ वह हाथ में बाग लिए हुए नजर आ रही हैं। वहीं अगस्त्य नंदा के सिर पर ब्लैक टोपी है और वह ब्लैक कलर की टीशर्ट के साथ ब्राउन कलर के ट्राउजर में नजर आ रहे हैं।

पेंटिंग के शौकीन हैं सलमान

बॉलीवुड स्टार सलमान खान हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। एक्टर आज अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। साथ ही वे अपनी नई फिल्म सिकंदर के लिए काफी चर्चा में हैं, जिसका टीज़र आज रिलीज होने वाला है। फिल्मी सितारे हमेशा अपने महंगे घरों के लिए चर्चा में रहते हैं। चाहे वो शाहरुख खान का मन्नत हो या अमिताभ बच्चन का जलसा, हमेशा लोगों का ध्यान खींचते हैं। इस लिस्ट में सलमान खान भी पीछे नहीं हैं। वे अपने परिवार के साथ मुंबई के गैलेक्सी अपार्टमेंट में रहते हैं। इतना ही नहीं, उनका पनवेल में एक फार्म हाउस भी है।

सलमान खान ने ये फार्म हाउस अपनी बहन अर्पिता के नाम पर लिया था, जिसका नाम भी अर्पिता फार्म्स रखा गया था। कोरोना महामारी के समय जब सभी अपने-अपने घरों में कैद थे, उस समय सलमान खान अपने फार्म हाउस में मजे कर रहे थे। एक्टर के इस हाउस में उनके पेंटिंग के शौक को भी देखा जा सकता है। उनके इस विला में उनके द्वारा बनाई गई कई तस्वीरें लगी हुई हैं। आइए जानते हैं उनके इस फार्म हाउस के बारे में।सलमान खान का ये फार्म हाउस 150 एकड़ में फैला हुआ है। इस आलीशान पनवेल फार्म हाउस में लग्जरी सुविधाएं हैं। जिसमें जिम से लेकर प्राइवेट पूल तक सब कुछ है। मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ये फार्म हाउस 80 करोड़ का है।सलमान खान एक बेहतरीन एक्टर के साथ-साथ एक बढ़िया पेंटर भी हैं। उनके इस टैलेंट के काफी लोग दीवाने हैं। सलमान खान ने इस साल जून में अपनी "यूनिटी" नाम की एक पेंटिंग को आर्टफाई नाम के इंस्टाग्राम चैनल की मदद से बेची है। इस पेंटिंग की कीमत करोड़ों में थी। इस पेंटिंग को सलमान खान ने 2022 में बनाया था। इसमें दो धर्मों के लोगों को साथ में देखा जा सकता है। दोनों अपने तरीके से सलाम और नमस्ते कर रहे हैं।

फिर से चुम दरांग मार गईं बाजी

चुम दरांग फिर एक बार 'बिग बॉस 18' के घर की 'टाइम गॉड' बन गई हैं. दरअसल इस हफ्ते की शुरुआत में चुम दरांग को बिग बॉस के घर का 'टाइम गॉड' बनाया गया था. लेकिन बिग बॉस के आदेश का पालन न करने की वजह से उन्होंने तुरंत चुम को 'टाइम गॉड' की पोजीशन से फायर कर दिया. 'टाइम गॉड' बनने के एक घंटे बाद ही चुम से उनकी पावर छीन ली गई. लेकिन अब फिर एक बार रजत दलाल, विवियन डीसेना और अविनाश मिश्रा जैसे कंटेस्टेंट को पीछे छोड़कर चुम दरांग सलमान खान के 'बिग बॉस 18' की 'टाइम गॉड' बन गई हैं.

दरअसल कलर्स टीवी के इस रियलिटी शो के लेटेस्ट एपिसोड में 'बिग बॉस' की तरफ से फिर एक बार 'टाइम गॉड' की टास्क का ऐलान कर दिया गया. ये टास्क सभी कंटेस्टेंट को जोड़ी में परफॉर्म करना था. अविनाश मिश्रा-चुम दरांग, ईशा सिंह-सारा आरफीन खान, रजत दलाल-करणवीर मेहरा, शिल्पा शिरोडकर-कशिश कपूर और विवियन डीसेना-चाहत पांडे के बीच चल रहे इस टास्क में जब सारा आरफीन खान और कशिश कपूर सब को गिराने लग गईं, तब श्रुतिका मिश्रा ने इस मौके का फायदा उठाते हुए उनकी दोस्त चुम दरांग को फिर एक बार बिग बॉस के घर की 'टाइम गॉड' घोषित कर दिया.

'टाइम गॉड' की टास्क में कंटेस्टेंट को जोड़ी में स्केटिंग करनी थी. स्केटिंग बोर्ड पर दो लोगों के लिए शूज फीट किए गए थे और इन शूज में पैर डालकर कंटेस्टेंट को आगे बढ़ना था. टास्क शुरू होते ही विवियन डीसेना और चाहत पांडे की जोड़ी शो से बाहर हो गई. स्केटिंग करते हुए चाहत बोर्ड टूटने की वजह से रुक गईं और उन्हें टास्क के बीच रुका हुआ देख श्रुतिका राज ने उन्हें और उनके पार्टनर बने विवियन को टास्क से बाहर कर दिया.

विवियन और चाहत के बाहर होने के बाद, शिल्पा शिरोडकर को 'टाइम गॉड' के टास्क से बाहर होना पड़ा. दरअसल इस टास्क के दौरान स्केटिंग बोर्ड की मदद से आगे बढ़ते हुए शिल्पा नीचे गिर गईं. शिल्पा के बाहर होने के बावजूद कशिश ने ये टास्क जारी रखा. कशिश और सारा आरफीन खान को जब श्रुतिका ने टास्क से बाहर किया, तब वो दोनों ने उनके आदेश का पालन करने से साफ इनकार कर दिया और वो बीच टास्क में सभी घरवालों का परेशान करने लगीं. उन्होंने ठान ली थी कि वो 'टाइम गॉड' का टास्क पूरा नहीं होने देंगे. लेकिन उनकी ये चाल कामयाब नहीं हो पाई और चुम दरांग सलमान खान के शो की नई 'टाइम गॉड' बन गईं.

भाईजान ने निकाल दी काशिश की सारी हेकड़ी

बिग बॉस 18 की वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट कशिश कपूर अपनी तिखी जुबान के लिए जानी जाती हैं. जैसे-जैसे शो फिनाले की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कशिश के झगड़े बाकी कंटेस्टेंट्स के साथ बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं. बीते हफ्ते में कशिश और अविनाश मिश्रा की एक बातचीत को लेकर काफी तमाशा हुआ. अब वीकेंड का वार पर सलमान खान इस मामले पर बात करेंगे. इसी बीच कशिश कपूर शो के होस्ट सलमान खान के साथ जुबान लड़ाती हुई नजर आती हैं और सुपरस्टार भी उनको हड़काते हुए दिखाई देने वाले हैं.

दरअसल शो के मेकर्स ने फैन्स की एक्साइटमेंट को बढ़ाने के लिए वीकेंड का वार का लेटेस्ट प्रोमो शेयर कर दिया है. इस वीकेंड का वार में सलमान उसी मुद्दे पर बात करेंगे, जिसपर पिछले दिनों से चर्चा जारी है. पूरे मामले की बात करें, तो कुछ हफ्ते पहले अविनाश मिश्रा और कशिश कपूर के बीच एक बातचीत हुई थी. उस दौरान अविनाश ने कशिश के साथ फ्लर्ट करते हुए उनसे कहा था कि ये एंगल भी चल सकता है. लेकिन इस बात को कशिश ने जिस तरह से घर में उठाया, उसने बाकी सभी कंटेस्टेंट्स को भी सोच में डाल दिया.

अविनाश ने नॉमिनेशन टास्क के दौरान सारा की बात का जवाब देते हुए कहा कि कशिश उनके पास आई थी एंगल बनाने. इस लाइन को पकड़कर कशिश ने खूब तमाशा किया. जिसका सीधा असर अविनाश और ईशा सिंह के रिश्ते पर भी पड़ा. दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई. अब वीकेंड का वार पर सलमान भी इस पर अपनी राय रखेंगे. सलमान कशिश को कटघरे में बुलाएंगे और कहेंगे कि आप फ्लर्ट करती हो तो वो फ्लर्टिंग और सामने वाला जब फ्लेवर कहे तो एंगल.इसपर कशिश कपूर अपनी बात रखते हुए कहती हैं, "ये आई थी मेरे पास एंगल बनाने...ये एक लाइन मुझे काफी परेशान कर रही थी." कशिश की बात को काउंटर करते हुए सलमान कहते हैं कि एंगल बनाने आप गई थीं मैडम. सलमान को टोकते हुए कशिश तुरंत कहती हैं कि नहीं सर मैं ये नहीं मानूंगी. तभी सलमान कहते हैं कि आप शुरुआत से इसे नाटक की तरह ले रही हैं. कशिश सलमान से एक सेकंड मांगती हैं, तो सलमान उन्हें 1 सेकंड देने से इनकार कर देते हैं. इसपर कशिश तेवर के साथ कहती हैं ठीक है. उनकी ये हरकत देख सलमान कहते हैं कि क्या, मेरे साथ इस तरह से बात करने की जरूरत नहीं है.

बॉक्सिंग डे टेस्ट का दूसरे दिन का खेल खत्म

164 रनों पर भारत की आधी टीम पवेलियन रवाना

नई दिल्ली. बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट के नुकसान पर 311 रन बना दिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहले दिन 4 खिलाड़ियों ने अर्द्धशतक जड़ा था। दूसरे दिन स्टीव स्मिथ ने शतक पूरा करते हुए 140 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रनों पर खत्म हुई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने पांच विकेट के नुकसान पर 164 रन बना लिए। बॉकेसिंग डे टेस्ट में दूसरे दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 474 रन बनाए।

जवाब में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने 164 रनों के अंदर 5 विकेट गंवा दिए। टीम इंडिया की ओर से ओपनिंग करने आए रोहित शर्मा 3 रन, यशस्वी जायसवाल 82 रन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन और आकाश दीप बिना खाता खोले आउट हो गए। तीसरे दिन खेल की शुरुआत ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा करेंगे, जो फिलहाल 6 और 4 रन बनाकर नाबाद हैं। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में ओपनिंग करते हुए शर्मनाक प्रदर्शन जारी रखा। आउट ऑफ फॉर्म चल रहे रोहित शर्मा ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में ओपनिंग का फैसला किया पर ओपनिंग में भी वे फ्लॉप साबित हुए और 3 रन बनाकर आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी खत्म

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रनों पर खत्म हुई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव समिथ ने सबसे ज्यादा 140 रनों की पारी खेली।

बुमराह ने 4, जडेजा ने 3 और आकाशदीप ने 2 और एक विकेट वॉशिंगटन सुंदर ने चटकाए।

काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे खिलाडी

टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी मैदान पर बाहों में काली पट्टी बांधकर उतरे, इसके बाद सभी लोग देखकर हैरान हो गए। लोगों के मन में या प्रश्न उठने लगा कि आखिर खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर खेलने क्यों आए? दरअसल, गुरुवार 26 दिसंबर को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। इसके बाद देश भर में शोक की लहर दौड़ पड़ी। ऐसे में टीम इंडिया ने भी उनके सम्मान के लिए मेलबर्न टेस्ट के दूसरे दिन बांह पर काली पट्टी बांधकर खेलने आई।

रजनीकांत ने की डी गुकेश से मुलाकात

नई दिल्ली. गुकेश डी ने हाल ही में शतरंज में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। 11 साल बाद शतरंज चैंपियनशिप को भारत वापस लाने वाले इस किशोर को अब देशभर से सराहना मिल रही है। गुकेश और उनके माता-पिता ने हाल ही में चेन्नई में सुपरस्टार रजनीकांत से मुलाकात। गुकेश ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह रजनीकांत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, "सुपरस्टार रजनीकांत सर, आपकी शुभकामनाओं और समय देने के लिए धन्यवाद। आपके साथ बिताया वक्त और आपकी सलाह हमारे लिए बहुत कीमती है।"इसके बाद गुकेश ने 'अमरण' स्टार शिवकार्तिकेयन से भी मुलाकात की। अभिनेता ने उन्हें एक शानदार घड़ी तोहफे के रूप में दी। गुकेश ने अपनी पोस्ट में लिखा, "शिवकार्तिकेयन सर के साथ शानदार समय बिताया। इतने व्यस्त होने के बावजूद उन्होंने हमारे साथ समय बिताया।"

गुकेश को उनकी जीत के बाद बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, मोहनलाल, महेश बाबू जैसे कई बड़े सितारों से शुभकामनाएं मिल चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें बधाई दे चुके हैं। गुकेश ने 12 दिसंबर 2024 को सिंगापुर में एक रोमांचक फिनाले में चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया है।

लाड़ियों के लिए हैं अपार संभावनाएं

कप्तान ज्योति सिंह ने कही बड़ी बात

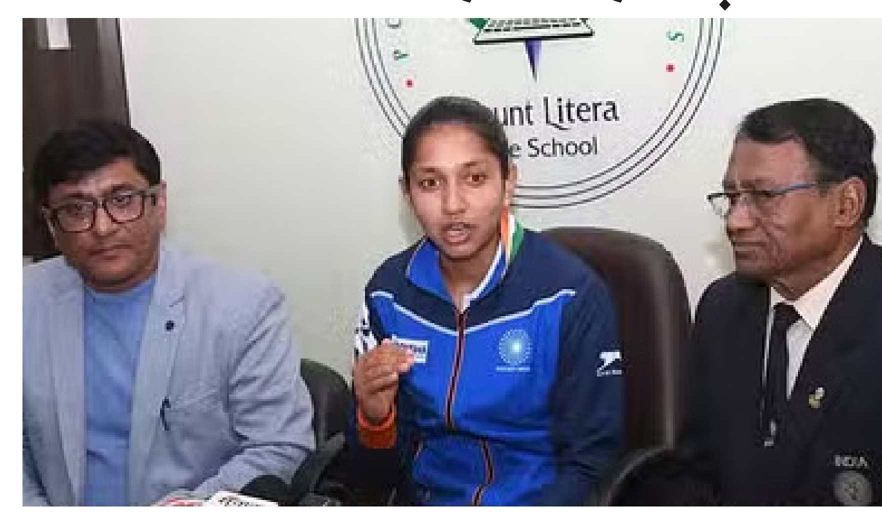

झांसी.

झांसी ने दुनिया को हॉकी का हुनर सिखाया है. झांसी निवासी मेजर ध्यानचंद को पूरा विश्व 'हॉकी के जादूगर' के तौर पर जानता था. अब उनकी इस परंपरा को झांसी के युवा आगे बढ़ा रहे हैं. झांसी की रहने वाली ज्योति सिंह भारतीय जूनियर हॉकी गर्ल्स टीम की कप्तान हैं. लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय दौरे पर रहने के बाद जब ज्योति सिंह झांसी पहुंची तो उनका जोरदार स्वागत किया गया. शहर के माउंट लिट्रा स्कूल के प्रबंधक रोहित पांडेय और स्कूल के छात्रों ने उनका सम्मान किया.ज्योति सिंह ने अपने अनुभव साझा किए. ज्योति सिंह ने बताया कि उनके परिवार का खेल से जुड़ाव बहुत पुराना है. उनके पिता और बुआ भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे.

पिता के साथ वह एथलेटिक्स खेलती थी. लेकिन, अपनी बड़ी बहन को हॉकी खेलते देख, उनका हॉकी के प्रति लगाव बढ़ गया. उन्होंने हॉकी की प्रैक्टिस शुरु कर दी.

जब उनके पिता और बुआ खेलते थे तब सुविधाएं उतनी अच्छी नहीं थी. आज समाज हो या सरकार हर कोई खिलाड़ियों की मदद करता है. प्रैक्टिस से लेकर डाइट और स्वास्थ्य की सुविधा दी जा रही है. हर खिलाड़ी को व्यक्तिगत ट्रेनिंग भी दी जाती है.

ज्योति ने कहा कि नई पीढ़ी को खेल के प्रति लगाव बढ़ाना चाहिए. खेलों के लिए सुविधाएं बेहतर हुई है. खिलाड़ियों को कई मौके मिल रहे हैं. खिलाड़ी अनुशासन और मेहनत के साथ ऊंचे से ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं.

साथ ही खेल के साथ पढ़ाई पर भी ध्यान देना चाहिए. झांसी में भी सुविधाएं अच्छी हो रही है. खिलाड़ियों को अच्छी कोचिंग मिल रही है.

नरेंद्र ने अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी पर लहराया तिरंगा

नरेंद्र यादव ने अंटार्कटिका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी विन्सन मैसिफ को फतह कर तिरंगा लहराया है। नरेंद्र की इस उपलब्धि पर परिजन ही नहीं समूचा रेवाड़ी गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

यू मुंबा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची पटना पाइरेट्स

नई दिल्ली.

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 का दूसरा एलिमिनटर मुकाबला पटना पाइरेट्स और यू मुंबा के बीच खेला गया। पुणे में खेले जा रहे मुकाबले में पटना पाइरेट्स ने यू मुंबा को 8 अंकों से हराया। इसके साथ ही पटना की सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफल रही। वहीं पहले एलिमिनेटर मुकाबले में यूपी योद्धाज ने जयपुर पिंक पैंथर्स को बुरी तरह से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में अब केवल तीन मैच ही बचे हैं। दो सेमीफाइनल के मुकाबले 27 दिसंबर को खेले जाएंगे। वहीं इस सीजन का फाइनल मुकाबला 29 दिसंबर को खेला जाएगा। इस सीजन में हरियाणा स्टीलर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं दबंग दिल्ली की टीम भी अंत में लगातार 5 मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।पटना पाइरेट्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में यु मुंबा को 8 अंकों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

तेंदुलकर को किया क्लब सदस्यता से सम्मानित

मेलबर्न. मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि महान भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने इस प्रतिष्ठित संस्था का मानद सदस्य बनने का उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है।

एमसीसी ने पोस्ट किया,'एक 'आइकन' को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है।'

तेंदुलकर एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज है। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत और 58.69 के स्ट्राइक रेट से 449 रन है। उन्होंने इस मैदान पर एक शतक और तीन अर्द्धशतक जड़े हैं। इससे पहले 2012 में तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' से सम्मानित किया गया था। एमसीजी वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है।

लवलीना को एथलीट आयोग में मिली जगह

नई दिल्ली.

डब्ल्यूबीए यानी विश्व मुक्केबाजी संघ ने एशिया में अपनी नई संस्था एथलीट आयोग की घोषणा की है। जिसमें टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीन बोरगोहेन को जगह दी गई है। इसके साथ ही इसमें बीएफआई यानी भारतीय मुक्केबाजी संघ के 6 अधिकारियों को शामिल किया गया है। वहीं, अजय सिंह को इस संस्था का अध्यक्ष बनाया गया है।

भारत इस नयी संरचना के भीतर एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें बीएफआई से जुड़े अधिकारियों को सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बोरगोहेन एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मुद्दे उठायेंगी।

बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह सहित को क्रमशः ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। सिंह के हवाले से एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, ''एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि मुक्केबाजी एलए 2028 और उसके बाद ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनी रहे।''

उन्होंने कहा, ''भारत को इस परिवर्तनकारी पहल के केंद्र में होने पर गर्व है, जो मुक्केबाजी के ओलंपिक भविष्य को सुरक्षित करने की प्रक्रिया में योगदान दे रहा है।'' सिंह ने एशिया की अंतरिम निकाय के गठन पर बीएफआई की भूमिका कहा, ''प्रमुख आयोगों में मजबूत प्रतिनिधित्व के साथ भारत प्रमुख नीतियों को प्रभावित करने, भारतीय मुक्केबाजी के विकास को आगे बढ़ाने और न केवल देश के भीतर बल्कि पूरे एशिया में खेल के विकास और प्रमुखता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।''

एथलीट आयोग के तीन सदस्यों में से एक, बोरगोहेन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, उचित अवसरों और सहायता प्रणालियों की वकालत करने के लिए मंच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।''

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की सिक्योरिटी से हुई चूक

नई दिल्ली.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन एमसीजी के सुरक्षा में चूक देखने को मिली। एक शख्स स्टैंड से निकलकर मैदान के बीच जा पहुंचा और उसने भारतीय क्रिकेटरों से मुलाकत करने की कोशिश की। पहले वह कप्तान रोहित शर्मा के पास गया और उसके बाद उनसे विराट कोहली ने मुलाकात की। विराट भी शख्स से मुलाकात करते दिखें।ऑस्ट्रेलियाई पारी के 97वें ओवर के बीच यह घटना हुई। जब एमसीजी में बैठे एक फैन ने सीधे मैदान में एंट्री मार ली। भारतीय टीम उस समय फील्डिंग कर रही थी।

भारतीय महिलाओं ने सीरीज में किया क्लीन स्वीप

वनडे सीरीज में 3-0 से हराया

वडोदरा. भारत और वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम के बीच हो रहे वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला वडोदरा में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने जबरदस्त जीत दर्ज की. उसने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से मात देकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया. टीम इंडिया ने पहले गेंदबाजी करते हुए हेली मैथ्यूज की कप्तानी वाली टीम को महज 162 रन पर ढेर कर दिया. फिर बल्लेबाजों ने अपना दम दिखाया और इस आसान लक्ष्य को सिर्फ 28.2 ओवरों में चेज कर दिया. इस मुकाबले में दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने तीसरे वनडे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था. लेकिन उनका ये फैसला टीम पर भारी पड़ा. भारतीय गेंदबाजों के सामने कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सकी. भारत की ओर से रेणुका सिंह ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने मिलकर पूरी टीम निपटा दिया. रेणुका ने पहली गेंद पर वेस्टइंडीज को झटका दे दिया. वहीं अंतिम गेंद पर उन्होंने एक और विकेट झटक लिए.

इसके बाद उन्होंने 9 रन के स्कोर उन्होंने तीसरा विकेट भी गिरा दिया. कैरिबियाई टीम इन झटकों से उबर नहीं पाई. बची हुई कसर दीप्ति शर्मा ने पूरी कर दी. रेणुका ने जहां 9.5 ओवर में 29 रन देकर 4 विकेट चटकाए. वहीं दीप्ति ने 10 ओवर में 31 रन देकर 6 विकेट चटकाए. दोनों की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 162 रन पर रोक दिया.

हालांकि, इसे चेज करते हुए भारत ने 55 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे. फिर कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 32 रन और जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 रन की पारी खेली. वहीं दीप्ति ने 48 गेंद में 39 और रिचा घोष ने 11 गेंद में ताबड़तोड़ 23 रन बनाए. इस तरह भारत ने इस छोटे लक्ष्य को सिर्फ 28.2 ओवर में चेज कर दिया. दीप्ति उन्होंने पहले गेंद फिर बल्ले से अहम योगदान दिया. इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

टीम इंडिया ने जीते सभी मैच

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही थी. इन तीनों ही मुकाबलों में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की. भारतीय टीम ने पहले में 211, दूसरे में 115 रन से मुकाबले को जीता था. वहीं तीसरे में 5 विकेट से शिकस्त दी. इस दौरान रेणुका सिंह ठाकुर ने कुल 10 विकेट चटकाए. उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. बता दें इससे पहले 3 मैचों की टी20 सीरीज भी हुई थी. इसमें भारत ने वेस्टइंडीज को 3-0 से क्लीन स्वीप किया था.

कोहली के 'टक्कर' से भड़का पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी

नई दिल्ली.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले ही दिन उस वक्त बड़ा बखेड़ा खड़ा हो गया जब विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के 19 साल के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को कंधा मार दिया। कोहली के ऐसा करने के बाद आईसीसी ने उनपर सख्त एक्शन लेते हुए मैच फीस पर 20% जुर्माना लगाया। इस 'कंधे' विवाद पर ऑस्ट्रेलिया के युवा खिलाड़ी कोंस्टास से जब पूछा गया तो उसने कहा कि खेल के दौरान ये सब होता रहता है पर पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी बासित अली अपनी करनी भूलकर, विराट कोहली को क्रिटिसाइज कर रहे हैं। पाकिस्तानी दिग्गज ने सारी हदें पार करते हुए बेमतलब इस विवाद में विराट कोहली के बेटे को घसीट लिया।बासित अली ने आगे कहा, "विराट के बेटे को पैदा हुए एक साल भी नहीं हुआ है। अगर हम सचिन तेंदुलकर को देखें तो हमने (पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने) उनके खिलाफ बहुत स्लेजिंग की, लेकिन उन्होंने कभी इस तरह से जवाब नहीं दिया। उन्होंने हमेशा बल्ले से जवाब दिया। विराट ने जानबूझकर टक्कर मारी, और ये अचानक नहीं था। पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद मैच रेफरी ने विराट कोहली को फटकार लगाई और पूर्व भारतीय कप्तान ने भी अपनी गलती मान ली। कोहली को सजा के रूप में मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक से बख्शा गया, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला डिमेरिट अंक था।

मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज

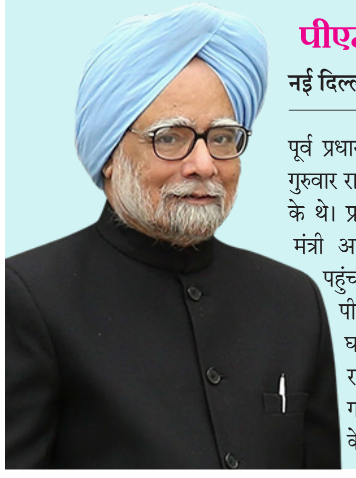

पीएम मोदी श्रद्धांजलि देने उनके आवास पहुंचे

नई दिल्ली.

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उनके आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व पीएम लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। मनमोहन सिंह, 2004 में देश के 14वें प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने मई 2014 तक इस पद पर दो कार्यकाल पूरे किए थे। वे देश के पहले सिख और सबसे लंबे समय तक रहने वाले चौथे प्रधानमंत्री थे। मनमोहन सिंह के निधन के चलते केंद्र सरकार ने 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। सुबह 11 बजे कैबिनेट मीटिंग बुलाई गई है। साथ ही शुक्रवार को होने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बेलगावी से देर रात दिल्ली पहुंचने के बाद सीधे मनमोहन सिंह के आवास गए थे। राहुल ने लिखा- मैंने अपना मार्गदर्शक और गुरु खो दिया। इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी मीटिंग रद्द कर दी गई। कांग्रेस स्थापना दिवस से जुड़े आयोजन भी कैंसिल हो गए हैं।

7 दिन का राष्ट्रीय शोक

❑ पार्टी के इवेंट 3 जनवरी के बाद शुरू होंगे। मनमोहन का पार्थिव शरीर कल कांग्रेस मुख्यालय में रखा जाएगा, जहां आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। राजघाट के पास उनका अंतिम संस्कार होगा। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर आज 28 दिसंबर को कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, जहां आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। राजघाट के पास उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

ट्रक में टक्कर से जोरदार विस्फोट

अहमदाबाद.

गुजरात के अहमदाबाद में भी जयपुर जैसा हादसा हुआ है. जयपुर अजमेर हाईवे पर हुए टैंकर ब्लास्ट की तरह ही गुजरात में भी हादसा हो गया. अहमदाबाद- राजकोट हाईवे पर भामासरा गांव के पास हुए इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. जानकारी के मुताबिक, कपड़ों से लदा एक ट्रक राजकोट से अहमदाबाद जा रहा था. भामासरा गांव के पास अचानक ट्रक का टायर फटा और चालक ने नियंत्रण खो दिया. इसके बाद ट्रक डिवाइडर पार करके दूसरे

वाहनों से टकरा गया. सीएनजी ट्रक होने की वजह से उसमें तुरंत आग लग गई. ये आग देखते ही देखते तीन अन्य वाहनों तक भी फैल गई. ट्रक बेकाबू होने की वजह से चार वाहन आपस में टकरा गए.

ये टक्कर इतनी जोरदार थी कि भयानक विस्फोट हो गया और सभी वाहन धू-धू कर जलने लगे. इस हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई. तेज धमाके की आवाज सुनते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए.उन्होंने इस हादसे की सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दी. इस दर्दनाक हादसे में ट्रक ड्राइवर कमलभाई और एक अन्य शख्स ने मौके पर ही मौत हो गई. वहीं तीन लोग घायल हुए हैं. उनको इलाज के लिए सोला सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. सभी वाहन जलकर राख हो चुके थे.

नई मुसीबत खड़ी करने जा रहा है बांग्लादेश

ढाका.

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो भारत के लिए तनाव बढ़ाने वाला है। बांग्लादेश ने 2009 में असफल सैन्य विद्रोह और उसके बाद की कार्रवाई की जांच करने लिए एक आयोग को जिम्मा सौंपा है। आयोग के प्रमुख फजलुर रहमान ने कहा है कि जांच में कथित विदेशी भूमिका का पता लगाया जाएगा। 2009 के बांग्लादेश राइफल्स में एक बड़ा विद्रोह हुआ था, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था। विद्रोह को सेना की मदद से कुचल दिया गया था। 2009 के विद्रोह में बांग्लादेश राइफल्स अर्द्धसैनिक बल के जवानों ने मुख्यालय से हजारों हथियार चुरा लिए और बैरकों के भीतर घुसकर हत्याओं का सिलसिला शुरू हो गया। देखते ही देखते इसमें हजारों सैनिक शामिल हो गए। विद्रोही जवानों ने पिलखाना स्थित बीडीआर के मुख्यालय पर कब्जा कर लिया और बीडीआर के महानिदेशक शकील अहमद समेत 56 अधिकारियों की हत्या कर दी गई। 17 नागरिक भी मारे गए, जिनमें अधिकारियों के परिवार के लोग भी थे। बाद में सेना को विद्रोह को कुचलने का आदेश दिया गया और इस पर काबू पाया गया। जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार किया गया और मौत की सजा सुनाई गई। बाद में बीडीआर का नाम बदलकर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश कर दिया गया और इसकी ड्रेस भी बदल दी गई।

महाकुंभ 2025 में बनाए जाएंगे 4 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली.

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है. ये आयोजन न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा का स्रोत होगा. ये रिकॉर्ड भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिकता के बीच संतुलन से जुड़ा होगा. इन रिकॉर्ड्स के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी. इस बार के महाकुंभ में कई ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं जो विश्व रिकॉर्ड बनाने की क्षमता रखते हैं.

ये 4 बड़े रिकॉर्ड कौन से हैं आइए जानते हैं.

सबसे बड़ी ई-व्हीकल परेड होगी. महाकुंभ 2025 में इस बार 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन एक साथ परेड में शामिल होंगे. ये परेड पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हुई एक नई विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगी. 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान से इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत होगी. नदी सफाई अभियान का चौथा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा. महाकुंभ के दौरान नदी को साफ करने का एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा. जो नदी की स्वच्छता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की भी संभावना है. इस वर्ल्ड रिकॉर्ड पर उत्तर प्रदेश सरकार 4.87 करोड़ रुपये खर्च करने वाली है. जिसमें से 82 लाख से अधिक तो सिर्फ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने की फीस ही होगी. इस बार उम्मीद की जा रही है कि प्रयागराज में 40-45 करोड़ श्रद्धालू आ सकते हैं. 45 दिनों के लिए इस क्षेत्र तो स्वर्ग नगरी में तबदील किया जा रहा है. यहां आने वाले लोगों को किसी चीज की कोई समस्या न हो इसके भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं.

अफगान में फिर धरती हिली

अफगानिस्तान. शुक्रवार को सुबह-सुबह धरती कांपी है. खबर मिली है कि अफगानिस्तान के फैजाबाद 73 किलोमीटर दक्षिण में 4.1 तीव्रता का भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप से अभी किसी भी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है. भूकंप की गहराई 180 किलोमीटर थी. मिले रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार के तड़के सुबह 5 बजकर 41 मिनट पर झटके महसूस किए गए थे. इस भूकंप का मुख्य केंद्र अफगानिस्तान के बदख्शां के पास था. वहीं रात के 1 बजकर 11 मिनट पर अफगानिस्तान बॉर्डर पर 4.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए. भूकंप के झटके ताजिकिस्तान और पाकिस्तान में भी महसूस किए गए. हालांकि, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र भूकंप की तीव्रता काफी कमजोर थी, किसी प्रकार के चिंता का विषय नहीं है. वहीं, रविवार तड़के अफगानिस्तान के बदख्शां क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था. एनसीएस के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार, सुबह 06:30 बजे पर आया था. नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया. अफगानिस्तान का बदख्शां वाला क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त एक पहाड़ी क्षेत्र है. नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के अनुसार, पिछले तीस दिनों में अफगानिस्तान में पांच से अधिक भूकंप आए हैं. मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओसीएचए) के अनुसार, अफगानिस्तान मौसमी बाढ़, भूस्खलन और भूकंप सहित प्राकृतिक आपदाओं के लिए अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है. यूएनओसीएचए ने कहा कि अफगानिस्तान में लगातार आने वाले भूकंप से कमजोर समुदायों को नुकसान पहुंचता है. यह क्षेत्र पहले से ही दशकों के संघर्ष और अविकसितता से जूझ रहा है.

पीड़िता को कब मिलेगा न्याय?

महिला डॉक्टर के मामले में न्याय की मांग जारी

नई दिल्ली. प्रदर्शनकारी डॉक्टर सीबीआई पर जांच में देरी का आरोप लगा रहे है। इसी सिलसिले में कुछ डॉक्टर सीबीआई के ऑफिस भी गए, जहां उन्होंने केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों से मुलाकात की और आरजी कर घटना की जांच जल्दी पूरी करने की अपील की। गौरतलब है कि सीबीआई ने ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।पश्चिम बंगल के सचिवालय पहुंचने को लेकर आंदोलनकारी डॉक्टरों में से एक ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य सचिव ने हमसे मुलाकात नहीं की। हम उनसे मिलने गए और हमारी मांग रखी कि राज्य सरकार मंजूरी दे, ताकि सीबीआई आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के वित्तीय अनियमितताओं की जांच पूरी कर सके।

कांग्रेस शुरू करेगी 'संविधान' बचाओ पदयात्रा

26 जनवरी से होगी शुरुआत

नई दिल्ली.

कांग्रेस की कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में गुरुवार को कई अहम फैसले लिए गए। इस कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस की ओर से नई पदयात्रा शुरू करने पर भी फैसला लिया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि कांग्रेस 26 जनवरी 2025 से 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा' निकालेगी। इसके अलावा बैठक में ये फैसला किया गया कि पार्टी में व्यापक संगठनात्मक सुधार तथा पुनर्गठन का काम तत्काल शुरू

किया जाएगा। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, 26 जनवरी 2025 से लेकर 26 जनवरी 2026 तक हम 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा' शुरू करेंगे। हर राज्य में ये यात्रा होगी और इसमें सभी मुद्दे शामिल होंगे। जैसा हम मानते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस को 'संजीवनी' मिली और हमारे राजनीति में ये एक परिवर्तनकारी क्षण था उसके बाद 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' हुआ और अब एक साल के लिए 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा' होगा। प्रस्ताव में कहा गया है महात्मा गांधी की विरासत के साथ-साथ संविधान को संरक्षित और बढ़ावा देने की आवश्यकता को देखते हुए, यह आंदोलन 26 जनवरी, 2025 से आगे भी बढ़ेगा।

कांग्रेस ने रद्द की कर्नाटक में होने वाली बैठक

नई दिल्ली.

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से पूरे देशभर में शोक की लहर दौर उठी है। इसके लिए कांग्रेस ने कर्नाटक के बेलगावी में होने वाली कांग्रेस कमेटी की बैठक को रद्द कर दिया है। इसके लिए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण बेलगावी में कांग्रेस का अधिवेशन रद्द कर दिया गया है। कांग्रेस का यह अधिवेशन बेलगावी में कांग्रेस के पहले अधिवेशन की शताब्दी मनाने

के लिए आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने 26 और 27 दिसंबर 1924 को की थी। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने अधिवेशन को लेकर पत्रकारों को बताया कि हम 'जय गांधी, जय भीम, जय संविधान' शीर्षक से होने वाला अधिवेशन फिलहाल रद्द कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल पर शोक सभा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही शिवकुमार ने यह भी कहा कि सरकार ने शुक्रवार यानी आज अवकाश घोषित किया है और राज्य में सात दिन का शोक रहेगा। इससे पहले, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर के बाद कांग्रेस ने कर्नाटक में होने वाली अपनी रैली को रद्द कर दिया। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी कर्नाटक से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इसके साथ ही प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हमारे राष्ट्र के प्रति आपकी सेवा के लिए धन्यवाद। देश में आपके द्वारा लाई गई आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए आपको हमेशा याद किया जाएगा।

'आपने लोकतंत्र को ताकत दी'

नई दिल्ली. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया. 92 साल की उम्र में उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली. 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह की सभी दलों में स्वीकार्यता थी. पीएम मोदी ने कहा था, 'मैं विशेष रूप से डॉक्टर मनमोहन सिंह को याद करना चाहता हूं. नेता के रूप में भी और प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है. वैचारिक मतभेद होते हैं. कभी बहस होती है लेकिन वो बहुत अल्पकालिक होता है. इतने लंबे अरसे तक उन्होंने सदन और देश का मार्गदर्शन किया है. प्रधानमंत्री ने कहा था, 'जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी उसमें डॉ मनमोहन सिंह के योगदान की चर्चा भी जरूर होगी. मैं सभी सांसदों से कहूंगा कि ये जो माननीय सांसद होते हैं जिस भी दल के हैं, उनसे कुछ सीखें.

कोचिंग संस्थानों पर 15 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली. भ्रामक विज्ञापन के जरिए छात्रों को लुभाने वाले कोचिंग संस्थानों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने बड़ी कार्रवाई की है। सीसीपीए ने सिविल सेवा परीक्षाओं में अपनी सफलता दर के बारे में भ्रामक जानकारी देने के लिए तीन कोचिंग संस्थानों पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की 2022 और 2023 की सिविल सेवा परीक्षाओं में उनके परिणामों के संबंध में भ्रामक दावों के लिए वाजीराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट और एज आइएएस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुख्य आयुक्त निधि खरे के नेतृत्व में सीसीपीए ने पाया कि संस्थानों ने जानबूझकर यह छिपाया कि उनके अधिकांश सफल उम्मीदवारों ने केवल साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रमों में दाखिला लिया था, जिससे उनके अन्य पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता के बारे में भ्रामक धारणा पैदा हुई। वाजीराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट ने 2022 परीक्षा में ''933 में से 617 चयन'' का दावा किया.

मौसम ने बदली करवट

कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली.

लगातार मौसम बदल रहा है। बीते 24 घंटे में प्रदेश के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई, जबकि अधिकांश जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने अगले दो दिन प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा मौसम इस हफ्ते तक जारी रह सकता है।

आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा, "आज शाम से पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में आंधी-तूफान की संभावना है। शुक्रवार को मध्य महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की संभावना है।

इसलिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. "पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से महाराष्ट्र के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदल गया है। इस समय उत्तर दिशा से हवाएं चल रही हैं, जिसका नतीजा यह है कि प्रदेश में ठंड कम हो गई है और आंधी-बारिश के लिए अनुकूल माहौल बन गया है।

किसानों की चिंता बढ़ी

मौसम विभाग ने धुले, जलगांव, नासिक और अहमदनगर में शुक्रवार को आंधी, बारिश और बिजली चमकने के साथ ओले पड़ने की भविष्यवाणी करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि पुणे, नंदुरबार, संभाजीनगर, जालना, परभणी, बीड, हिंगोली, अकोला, अमरावती, बुलढाना, नागपुर, वर्धा, वाशिम और यवतमाल येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अलग-अलग स्थानों पर आंधी बारिश और बिजली गिरने की संभवना है।